हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 16 जुलाई 2026

प्रदेश के रियल एस्टेट के क्षेत्र में रहेजा ग्रुप ने जीता कस्टमर्स का विश्वास

रहेजा निर्वाणा बना आधुनिक और प्रीमियम लाइफस्टाइल का नया ठिकाना

रायपुर स्थित रहेजा ग्रुप छत्तीसगढ़ के रियल एस्टेट क्षेत्र का एक प्रतिष्ठित और विश्वसनीय नाम है, जो पिछले दो दशकों से अधिक समय से अपनी गुणवत्ता, पारदर्शिता और समय पर प्रोजेक्ट डिलीवरी के लिए जाना जाता है। समूह के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री संजय रहेजा जी के कुशल नेतृत्व में कंपनी ने आवासीय और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में बेहतरीन बेंचमार्क स्थापित किए हैं।

भरोसे की विरासत: रहेजा ग्रुप ने रायपुर के रियल एस्टेट परिदृश्य को आधुनिक रूप दिया है। कंपनी का मुख्य फोकस ग्राहकों को सिर्फ प्लॉट या मकान देना नहीं, बल्कि एक संपूर्ण लाइफस्टाइल और 'सुकून' का अनुभव कराना है। ग्रुप ने प्रीमियम रेजिडेंशियल प्लॉट्स, आलीशान विला और आधुनिक व्यावसायिक परिसरों का निर्माण किया है, जिनमें रहेजा टावर्स (जेल रोड), रहेजा निर्वाणा (Phase 1, Phase 2, और Phase 3), रहेजा एम्बारा और हाल ही में लॉन्च हुआ रहेजा अवाना (रहेजा लक्स सेगमेंट) प्रमुख हैं।

हमारी पॉलीसी (कस्टमर फर्स्ट): योजना से लेकर निर्माण और पजेशन के बाद के सपोर्ट तक, ग्रुप की हर गतिविधि में पारदर्शिता और ग्राहकों का अटूट विश्वास देखने को मिलता है।

रहेजा निर्वाणा आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम : यह प्रोजेक्ट रायपुर के सबसे तेजी से विकसित हो रहे प्रीमियम रेजिडेंशियल जोन कचना में स्थित है। यह एक विशाल और आधुनिक सुविधाओं से लैस इंटीगेटेड टाउनशिप है।

लोकेशन की खासियत (Connectivity): यह विधानसभा रोड से बेहद नजदीक है। इसके 3 से 5 किलोमीटर के दायरे में ज्ञानगंगा, एन.एच गोयल और डीपीएस जैसे प्रतिष्ठित स्कूल, अंबुजा मॉल, तथा बालाजी व नारायणा जैसे मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल मौजूद हैं। **सक्सेसफुल फेजेस:** इस प्रोजेक्ट की जबरदस्त सफलता को देखते हुए कंपनी ने इसके तीन चरण (Phase 1, Phase 2, और Phase 3) विकसित किए हैं।

संजय रहेजा
एम.डी.
रहेजा ग्रुप, रायपुर

विश्वस्तरीय सुविधाएं : रहेजा निर्वाणा फेज-3 में 20,000 वर्ग फुट से अधिक का विशाल और सेंट्रल इंडिया का सबसे भव्य क्लबहाउस डिजाइन किया गया है, जिसमें रूफटॉप इन्फिनिटी पूल, इनडोर बैडमिंटन कोर्ट, स्पा (स्टीम और सौना), और शानदार रेस्टोरेंट शामिल हैं।

मनोरंजन और फिटनेस: अत्याधुनिक जिम, 40 सीटों वाला मिनी थिएटर (डॉल्बी साउंड के साथ), लाइब्रेरी कैफे, और लॉन टेनिस व बास्केटबॉल कोर्ट। **छत्तीसगढ़ का पहला मिनी वॉटर पार्क:** परिवारों और बच्चों के मनोरंजन के लिए टाउनशिप के भीतर ही स्लाइड्स वाला शानदार वाटर पार्क बनाया गया है। **ग्रीनरी और इंफ्रास्ट्रक्चर:** प्रोजेक्ट का लगभग 55% क्षेत्र हरियाली और खुली जगहों (ओपन गार्डेन, मेडिटेशन पार्क) के लिए आरक्षित है। इसके साथ ही भूमिगत बिजली व्यवस्था, सौर ऊर्जा से संचालित पब्लिक एरिया, ईवी चार्जिंग स्टेशन और 24/7 मल्टी-टियर सुरक्षा उपलब्ध है। **रेरा अप्रूव्ड (RERA Approved):** यह पूरी तरह से टीएंडसी (T&C) स्वीकृत और छग रेरा (CG RERA) द्वारा पंजीकृत सुरक्षित प्रोजेक्ट है।

डायरेक्टर श्री संजय रहेजा जी: रहेजा ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री संजय रहेजा जी का व्यक्तित्व एक दूरदर्शी उद्योगपति और संवेदनशील नागरिक का सटीक उदाहरण है। उनके बारे में कुछ प्रमुख और सकारात्मक बातें इस प्रकार हैं। **दूरदर्शी नेतृत्व :** संजय रहेजा जी ने छत्तीसगढ़ में रियल एस्टेट को एक नई परिभाषा दी है। उनका मानना है कि लक्जरी और आधुनिक सुविधाएं केवल मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि रायपुर के निवासियों को भी वैश्विक स्तर का इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी मिलनी चाहिए। **गुणवत्ता और वैल्यू-बेस्ड बिजनेस:** वे बिजनेस में ऑन-ग्राउंड अनुशासन और पारदर्शिता को सर्वोपरि रखते हैं। उनका दृष्टिकोण हमेशा कम से कम कीमतों पर सर्वोत्तम प्रीमियम सुविधाएं प्रदान करने का रहा है, ताकि उच्च स्तर की जीवनशैली हर किसी के लिए सुलभ हो सके।

सुकून' की थीम पर बसा एक अनोखा आशियाना

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और शहर के शोर-शराबे के बीच हर व्यक्ति शाम को एक ऐसे आशियाने में लौटना चाहता है, जहाँ सिर्फ और सिर्फ 'सुकून' हो। रहेजा ग्रुप का 'रहेजा निर्वाण' प्रोजेक्ट इसी 'सुकून' की थीम पर आधारित है। यहाँ सुबह की शुरुआत चिड़ियों की चहचहाहट और ताजी हवा के साथ होती है, तो शामें ढलती हैं हरी-भरी वादियों के बीच परिवार के साथ बिताए गए खुशनुमा पलों में। टाउनशिप का लगभग 55% खुला क्षेत्र, सुंदर मेडिटेशन पार्क और प्राकृतिक हरियाली आपको मानसिक शांति का अहसास कराते हैं। डायरेक्टर संजय रहेजा जी के विजन के अनुसार, रहेजा निर्वाणा सिर्फ कंक्रीट का ढांचा या जमीन का टुकड़ा नहीं है, बल्कि यह आधुनिक सुख-सुविधाओं और प्रकृति के बीच एक ऐसा संतुलन है, जो आपके दिल को असीम शांति और 'सुकून' देता है।

प्रोजेक्ट रेरा रजिस्टर्ड : यह प्रोजेक्ट रेरा रजिस्टर्ड और सभी शासकीय मानदंडों से अपूव्ड है। प्रोजेक्ट में भव्य श्री राम मंदिर का भी निर्माण किया गया है। इसके अलावा सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई है, जो कस्टमर्स को परिवार के साथ सुकुन के पल जीने का अहसास प्रदान करता है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 16 जुलाई 2026

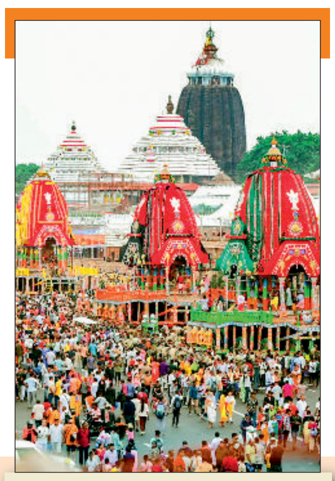

देवभोग में ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिर, बनने में लग गए थे 46 साल परंपराएं हैं अनोखी

देवभोग से पुरी जाता है भोग, 84 गांवों से लगान वसूलने की परंपरा आज भी चल रही, यहां अकेले विराजे हैं भगवान जगन्नाथ

आज जगन्नाथ यात्रा

शेख हसन खान ▶▶| मैनपुर

गरियाबंद जिले के देवभोग में एक ऐसा अनोखा मंदिर है, जहां भगवान जगन्नाथ अकेले विराजे हैं। राज्य में ऐसा मंदिर कहीं और नहीं है। मंदिर और यहां की मान्यताएं भी काफी रोचक हैं और लोगों की आस्था की अभिव्यक्ति करती हैं। करीब सवा सौ साल पहले स्थापित इस मंदिर को बनाने में 46 साल लगे। बेल का गुदा, चिवड़ा, मुर्रा और रेगटा (एक विशेष प्रकार के पत्थर) का चूर्ण पीसकर मंदिर का निर्माण शुरू किया गया। कहते हैं कि मंदिर की स्थापना हुई तब आसपास के 84 गांवों ने शपथ ली थी कि पुरी में विराजे श्री जगन्नाथजी को वे हर साल का पूरा भोग ▶▶|शेष पेज 6 पर

चार पीढ़ीयों से कर रहे सेवा

देवभोग मंदिर में सेवा की जिम्मेदारी झराबहाल गांव के यादव परिवार को सौंपी गई थी। यह परिवार पिछले चार पीढ़ियों से मंदिर में सेवक (चाकर) के रूप में भगवान की सेवा में जुटा है। पुजारी के साथ मिलकर ये सेवक पूरे क्षेत्र में घूम-घूमकर लगान वसूलते हैं।

एकल विग्रह वाला दुर्लभ मंदिर

देवेंद्र बेहेरा ने बताया कि इस मंदिर की सबसे अनूठी पहचान यह है कि यहां भगवान जगन्नाथ का एकल विग्रह स्थापित है। सामान्यतः जगन्नाथ मंदिरों में भगवान बलभद्र,देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ तीनों की प्रतिमाएं एक साथ विराजमान रहती हैं, लेकिन देवभोग के इस प्राचीन मंदिर में केवल भगवान जगन्नाथ की ही प्रतिमा स्थापित है।

पुरी रथयात्रा के लिए तैयार, सरकार 'हाई अलर्ट' पर

पुरी। ओडिशा में समुद्र के किनारे बसे पुरी शहर में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन की वार्षिक रथ यात्रा के लिए तीन शानदार लकड़ी के रथ 'ग्रैंड रोड' पर निकलने को तैयार हैं। इस बड़े आयोजन के सुचारू संचालन के लिए राज्य सरकार हाई अलर्ट पर है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने घोषणा की कि तीनों रथों - भगवान बलभद्र के 'तालध्वज', देवी सुभद्रा के 'दर्पदलन' और भगवान जगन्नाथ के 'नंदीघोष' का निर्माण और सजावट पूरी हो गई है।

खबर संक्षेप

बदरीनाथ मंदिर के कोषाध्यक्ष को हटाया

गोपेश्वर/देहरादून। उत्तराखंड के विख्यात बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावे और दान के प्रबंधन में कथित अनियमितता की जांच के बीच श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति ने चढ़ावे के रखरखाव से जुड़े रजिस्टर में 'ओवरराईटिंग' पाए जाने पर कोषाध्यक्ष को पद से हटा दिया। मंदिर के लॉकर में रखी हुई चांदी की मात्रा रजिस्टर में दर्ज प्रविष्टि की तुलना में थोड़ी अधिक पाई गई।

हवाई अड्डे में यात्री से छह किलो गांजा बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक से आए एक यात्री को उसके सामान से कथित रूप से छह किलोग्राम से अधिक 'हाइड्रोपोनिक' गांजा बरामद होने के बाद गिरफ्तार कर लिया। यात्री को 'ग्रीन चैनल' पर रोका गया और एक्स-रे जांच के दौरान संदिग्ध वस्तुएं दिखाई देने पर उसके बैग की गहन तलाशी ली गई।

भारत में 99 फीसदी सामान 3 फीसदी एवरेज टैरिफ पर होंगे आयात

भारत और यूके में फ्री ट्रेड लागू, ब्रिटेन की व्हिस्की, कारें और ब्यूटी प्रोडक्ट्स सस्ते

भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता बुधवार से लागू हो गया। इसके तहत कई भारतीय उत्पाद ब्रिटेन के बाजार में शून्य आयात शुल्क पर प्रवेश कर सकेंगे। भारत में ब्रिटेन की कारें, व्हिस्की, कपड़े और फुटवियर सस्ते मिलेंगे। अब भारत के 99 फीसदी सामानों को ब्रिटेन में जीरो टैरिफ पर निर्यात किया जाएगा। वहीं, ब्रिटेन के 99फीसदी सामान 3 फीसदी एवरेज टैरिफ पर आयात होंगे। इस डील ने अलग-अलग सेक्टर में फैले 95फीसदी से ज्यादा टैरिफ को खत्म या बहुत कम कर दिया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच हुआ व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (कॉम्प्रिहेन्सिव इकोनॉमिक ऐंड ट्रेड एग्रीमेंट-सीईटीए) तथा सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट 15 जुलाई से लागू हो गया है। इस समझौते के लागू होने के साथ ही भारत के लगभग 99 प्रतिशत निर्यात को ब्रिटेन के बाज़ार में जीरो ड्यूटी का लाभ मिलेगा, जो लगभग 100 प्रतिशत व्यापार ▶▶|शेष पेज 6 पर

■ किसानों और एमएसएमई को भी मिलेगा लाभ

ये हो होंगे सस्ते

- ब्रिटेन से आयात होने वाली स्कॉच व्हिस्की और जिन पर भारत का टैरिफ 150 फीसदी से घटकर 75फीसदी हो जाएगा।
- लग्जरी कारें जैसे- जगुआर लैंड रोवर, रोल्स रॉयस 20-30% सस्ती हो सकती हैं
- ब्रिटेन से आयात होने वाले सैल्मन, लैंब, चॉकलेट, बिस्किट और सॉफ्ट ड्रिंक्स पर टैरिफ कम होगा। इससे ये उत्पाद सस्ते होंगे।

▶▶|शेष पेज 6 पर

प्रधानमंत्री ने किया स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता और सामाजिक सुरक्षा समझौता लागू होने को दोनों देशों के संबंधों के लिए महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि इससे आर्थिक संबंधों को नई गति मिलेगी। इन दोनों समझौतों से भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक संबंध और अधिक गहरे होंगे तथा दोनों देशों की साझा महत्वाकांक्षा लोगों के लिए ठोस अवसरों में बदलेगी।

इधर, भारत पर 100 फीसदी अमेरिकी शुल्क की तैयारी

वाशिंगटन। अमेरिका के दोनों प्रमुख दलों- रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों के एक समूह ने सीनेट में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने के लिए भारत और चीन समेत पांच देशों पर 100 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम की पहल पर तैयार इस विधेयक में रूस से गैस खरीदने वाले 15 यूरोपीय देशों को शुल्क से छूट दी गई है।

सरकार से मांगा स्थायी समाधान

डिजिटल मूल्यांकन से छात्र हताश, सुप्रीम कोर्ट चिंतित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली को लेकर छात्रों की 'हताशा' पर बुधवार को चिंता जताई और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से इस मामले की सुनवाई में सहायता का अनुरोध किया। यह मामला एक जनहित याचिका से जुड़ा है, जिसमें केंद्र सरकार और सीबीएसई को यह निर्देश देने की मांग की गई है कि वे ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली ▶▶|शेष पेज 6 पर

सीबीआई को निर्देश देने की मांग

याचिका में केंद्र सरकार और सीबीएसई को निर्देश देने की मांग की गई है कि वे ओएसएम मूल्यांकन प्रणाली के माध्यम से बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने के लिए स्पष्ट नियम बनाएं और सुधारों की निगरानी एवं क्रियान्वयन के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित करें। जिन छात्रों को अस्थायी प्रवेश मिल चुका है या जिन्होंने प्रवेश परीक्षाएं पास कर ली हैं, उन्हें न्यूनतम योग्यता अंकों में राहत दी जाए। साथ ही विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए निर्धारित कक्षा 12 में 75 प्रतिशत या अन्य न्यूनतम अंक की अनिवार्यता से भी उन्हें छूट देने का निर्देश दिया जाए।

राज्यपाल ने उत्कृष्ट विधायकों एवं पत्रकारों का किया सम्मान

राज्यपाल ने किया नवीन विस परिसर में नए प्रेक्षागृह का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नए विधानसभा परिसर में राज्यपाल रमेन डेका ने उत्कृष्टता अलंकरण समारोह में वर्ष 2025 के लिए 'उत्कृष्ट विधायक' एवं 'उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार' को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। 'उत्कृष्ट विधायक' के रूप में पक्ष से धरम लाल कौशिक एवं प्रतिपक्ष से राघवेन्द्र सिंह को सम्मानित किया गया। 'उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार' के लिए संतराम साहू एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया में 'उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार पुरस्कार' के लिए सौरभ सिंह परिहार एवं डॉ. राजेश राज को संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के बाद सांस्कृतिक संध्या के अन्तर्गत देश के प्रसिद्ध भजन एवं सुगम संगीत कलाकार अनूप जलोटा की 'भजन संध्या' का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

राज्यपाल रमेन डेका ने इस अवसर पर कहा, छत्तीसगढ़ विधान सभा में संसदीय दायित्वों को परिमार्जित करने के उद्देश्य से उत्कृष्ट विधायक एवं उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार को सम्मानित करने का यह कार्य अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, विधान सभा राज्य की सबसे बड़ी जनप्रतिनिधि सभा है । यह एक ऐसा पवित्र सदन है, जहां से राज्य के विकास का रास्ता सुनिश्चित होता है। छत्तीसगढ़ विधान सभा ने राज्य के विकास और नागरिकों के हित के लिए राजनीतिक प्रतिबद्धता से ऊपर उठकर आपसी सद्भाव की ▶▶|शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री ने दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उत्कृष्ट विधायकों एवं उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार पुरस्कार से सम्मानितों को बधाई देते हुए कहा,जिन विधायकों को यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है उनके दायित्व सभा के प्रति और बढ़ गये हैं। ये उत्कृष्ट विधायक हमेशा सदन में सक्रिय रहे एवं जनसमस्याओं के मुद्दों को प्रमुखता से सभा में उठाया। इससे हमारे युवा विधायकों को सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, पुरस्कृत पत्रकारों ने भी सभा की कार्यवाही की रिपोर्टिंग में उत्कृष्ट संसदीय परम्पराओं का पालन करते हुए अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी है ।

चिंतन

ट्रंप की टैरिफ की धमकी के बीच यूके से एफटीए

वैश्विक व्यापार इस समय एक दिलचस्प मोड़ पर खड़ा है। एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की चेतावनी देकर आर्थिक दबाव की राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं, तो दूसरी ओर भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) लागू होना आर्थिक सहयोग के नए अध्याय की शुरुआत कर रहा है। ये दोनों घटनाएं बताती हैं कि आज दुनिया में व्यापार केवल वस्तुओं के आदान-प्रदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कूटनीति, रणनीति और राष्ट्रीय हितों का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुका है। अमेरिका की प्रस्तावित टैरिफ नीति का निशाना रूस की ऊर्जा आय को कम करना है, लेकिन इसका असर भारत जैसे देशों पर भी पड़ सकता है, जिन्होंने अपनी ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रूस से तेल खरीदना जारी रखा है। भारत आज रूस से सबसे अधिक कच्चा तेल खरीदने वाले देशों में शामिल है। सस्ते रूसी तेल ने भारत को महंगाई नियंत्रित रखने, ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण मदद की है। ऐसे में यदि रूस से तेल खरीदने के आधार पर भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की कोशिश होती है, तो यह केवल व्यापारिक फैसला नहीं, बल्कि आर्थिक दबाव बनाने की रणनीति होगी। अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंधों से जुड़ा एक संशोधित बिल पेश किया गया है। इसमें रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके। इसी बीच भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते का लागू होना भारत के लिए सकारात्मक संकेत है। यह समझौता केवल टैरिफ घटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, तकनीक और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। भारतीय उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में लगभग शुल्क-मुक्त पहुंच मिलने से वस्त्र, चमड़ा, इंजीनियरिंग, कृषि और एमएसएमई क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। दूसरी ओर भारतीय उपभोक्ताओं को ब्रिटेन से आने वाली कारें, स्कॉच व्हिस्की, कॉस्मेटिक्स, मेडिकल उपकरण और कई प्रीमियम उत्पाद अपेक्षाकृत कम कीमत पर उपलब्ध होंगे। हालांकि, एफटीए का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब भारतीय उद्योग गुणवत्ता, तकनीक और उत्पादकता के स्तर पर वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए स्वयं को तैयार करेंगे। केवल आयात सस्ता होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि निर्यात बढ़ाना और घरेलू उद्योगों को मजबूत बनाना भी उतना ही आवश्यक है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि मुक्त व्यापार का लाभ किसानों, एमएसएमई और छोटे उद्योगों तक भी पहुंचे। कुल मिलाकर ट्रंप की टैरिफ चेतावनी और भारत-यूके एफटीए, दोनों यह साबित करते हैं कि आने वाले समय में वैश्विक व्यापार का स्वरूप केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और रणनीतिक भी होगा। जहां टैरिफ व्यापार को सीमित करने और दबाव बनाने का माध्यम बन सकता है, वहीं मुक्त व्यापार समझौते विकास, निवेश और साझी समृद्धि के रास्ते खोलते हैं। भारत के लिए सही रास्ता यही है कि वह दबाव की राजनीति से अप्रभावित रहते हुए अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करे और एफटीए जैसे समझौतों के जरिए वैश्विक बाजार में अपनी आर्थिक ताकत को और मजबूत बनाए। यही संतुलित नीति भारत को बदलती विश्व व्यवस्था में एक भरोसेमंद और प्रभावशाली आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करेगी।

नवाचार
प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

सहकारिता के नए आकाश में नई उड़ान

> त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विश्व में उस परिवर्तनकारी सोच का प्रतीक माना जा रहा है, जिसमें सहकारिता को केवल डेयरी, चीनी या बैंकिंग तक सीमित नहीं किया जाएगा अपितु सहकारिता का विस्तार जैविक खेती, खाद्य प्रसंस्करण, मत्स्य पालन, बीज उत्पादन, पर्यटन, डिजिटल सेवाओं, ई-कॉमर्स, हरित ऊर्जा और ग्रामीण उद्यमिता को समेकित करते किया जाएगा। इस विश्वविद्यालय में आधुनिक प्रबंधन, डेटा विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वित्तीय अनुशासन और वैश्विक दृष्टि पर बहसें होंगी। देश के उत्थान पॉलिसीज पर कार्य करने वाले चेंज मेकर यह मान रहे हैं कि त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय संभावनाओं का संस्थागत स्वरूप है।

भारत का सहकारिता आन्दोलन अपने नए स्वरूप में आ गया है। बौद्धिक समाज का उत्पादन एवं उनसे राष्ट्र निर्माण की कोशिश भारत के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। वैसे तो आणंद का नाम श्वेत क्रांति के स्वर्णिम अध्याय के रूप में अंकित है, जहां त्रिभुवनदास पटेल, सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रेरणा और डॉ. वर्गीज़ कुरियन की दूरदर्शिता व आत्मविश्वास अपना नया आकार पाया। इस भूमि पर जिन मनीषियों ने कार्य किया उन्होंने सिद्ध किया कि यदि उत्पादक स्वयं अपने संगठन के स्वामी बन जाएं, तो आर्थिक स्वतंत्रता किसी स्वप्न से कम नहीं होती। उदाहरणतया अमूल की सफलता केवल दुग्ध उत्पादन की कहानी नहीं है, यह विश्वास, सहभागिता और लोकतांत्रिक प्रबंधन की सफलगाथा है। इसी विरासत को नए युग की आवश्यकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाने का संकल्प है-त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय, जिसे अमित शाह वर्षों से स्थापित करना चाहते थे। विश्व में यह विश्वविद्यालय उस परिवर्तनकारी सोच का प्रतीक माना जा रहा है, जिसमें सहकारिता को केवल डेयरी, चीनी या बैंकिंग तक सीमित नहीं किया जाएगा अपितु सहकारिता का विस्तार जैविक खेती, खाद्य प्रसंस्करण, मत्स्य पालन, बीज उत्पादन, पर्यटन, डिजिटल सेवाओं, ई-कॉमर्स, हरित ऊर्जा और ग्रामीण उद्यमिता को समेकित करते किया जाएगा। इस विश्वविद्यालय में आधुनिक प्रबंधन, डेटा विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वित्तीय अनुशासन और वैश्विक दृष्टि पर बहसें होंगी। देश के उत्थान पॉलिसीज पर कार्य करने वाले चेंजमेकर यह मान रहे हैं कि त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय संभावनाओं का संस्थागत स्वरूप है। यहां से निकलने वाले विद्यार्थी केवल डिग्रीधारक नहीं लेकर निकालेंगे अपितु वे सहकारिता के नए राजदूत होंगे। वे गांवों में नई आशा की लौ जगाएंगे।

किसानों को बाजार से जोड़ेंगे। महिलाओं को आर्थिक शक्ति देंगे। युवाओं को उद्यमिता की राह दिखाएंगे। समाज में साझेदारी की संस्कृति को सुदृढ़ करेंगे। उनका कार्य आर्थिक प्रगति और सामाजिक संवेदनाओं दोनों को निर्मित करेंगे। इस विश्वविद्यालय के विजन प्लान को सही से पढ़ा जाए तो ऐसा लगता है कि एनईपी-2020 के माध्यम से शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध करने हेतु नहीं निर्धारित हुए हैं, अपितु वह व्यक्ति को समाज के प्रति उत्तरदायी बनाने के लिए भी है। उसके लिए ठीक-ठीक कार्य आईआईएम जैसे संस्थाओं से अधिक सहकारिता विश्वविद्यालय करेगा। यह उस क्षण का आरंभ है जब विद्यार्थी पुस्तकों से बाहर निकलकर जीवन की खुली पाठशाला में प्रवेश कर रहे हैं। वास्तव में वास्तविक विश्वविद्यालय वही है जो वास्तविक जीवन मूल्य परिवर्तन का माध्यम बने। नए जीवन की शुरुआत प्रथम दीक्षांत समारोह से जो शुरू करने जा रहे हैं वे रिश्क में नहीं हैं, अपितु वे सन्देश दे रहे हैं कि जीवन मूल्य भी अब सहकारिता से सुरक्षित होंगे। यह सहकारिता में नए आकाश में नई उड़ान है, चाहे कोई माने या न माने। यह उड़ान निःसंदेह सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह के संकल्पों से संभव हो पा रही है, ऐसा कहा जाए तो कोई अतिश्योक्तिपूर्ण बात न होगी। हम सभी आज यह महसूस करने लगे हैं कि भारत की सहकारी व्यवस्था आज विश्व की सबसे बड़ी जन

आधारित आर्थिक व्यवस्थाओं में से एक है। करोड़ों नागरिक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहकारी संस्थाओं से जुड़े हैं। किसानों, महिलाओं, छोटे व्यापारियों, कारीगरों और ग्रामीण युवाओं के लिए सहकारिता केवल संस्था नहीं, बल्कि अवसर का द्वार है। लाभ और लोकहित के बीच संतुलन स्थापित कर नवाचार हेतु विकास का माध्यम सहकारिता बनने जा रही है। सहकारिता का प्राण उसके नैतिक मूल्यों में निहित है। विश्वास, पारदर्शिता, सहभागिता, उत्तरदायित्व और लोकतांत्रिक निर्णय, ये वे आधार हैं जिन पर सहकारिता का विशाल भवन खड़ा हुआ है। यदि इन मूल्यों के साथ त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय दायित्वबोध लेकर ऐसे चरित्रवान नेतृत्व का निर्माण करने की कोशिश कर रहा है तो इसकी प्रशंसा की जानी चाहिए।

विशेष विश्लेषण करने पर ऐसा लगता है कि यह विश्वविद्यालय सहकारिता के नए पक्षियों के कलरव से लोकमंगल का माध्यम बनने वाला है। जो 302 विद्यार्थी एवं 2 स्कॉलर को स्नातक एवं पीएचडी की उपाधि मिली है, यह तो एक शुरुआत है। केंद्रीय सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर ने गुजरात के आणंद में 'त्रिभुवन' सहकारी विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में कहा भी कि नरेंद्र मोदी के "सहकार से समृद्धि" के संकल्प तथा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के दूरदर्शी नेतृत्व में स्थापित 'त्रिभुवन' सहकारी यूनिवर्सिटी सहकारिता क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर है। यह यूनिवर्सिटी भविष्य के सहकारी नेतृत्वकर्ताओं, शोधकर्ताओं और पेशेवर प्रबंधकों को तैयार कर भारत के सहकारी आंदोलन को नई दिशा और नई गति प्रदान करेगी। यह बात शत-प्रतिशत सही भी है और उनके प्रयासों का एक तरह से अभिनंदन भी है। सहकारिता को नया बौद्धिक आधार ऐसे विश्वविद्यालय की स्थापना से जो मिलने लगा है, जिसने ज्ञान, शोध, नवाचार और मानवीय मूल्यों का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया है तो ऐसे ऐतिहासिक पहल को स्वर्णाक्षरों में अंकित भी किया जाना चाहिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अमित शाह की मुक्त कंठ से प्रशंसा भी की जानी चाहिए। दरअसल, त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय उस विश्वास का प्रतीक अब बनने जा रहा है, जो संगठित समाज की शक्ति व किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पहल है। भारत इससे विश्व की सहकारिता को टक्कर देगा और देश को सशक्त बनाएगा, इसे नहीं भूलना चाहिए। महिला डिग्रीधारिकों की एक नई नवाचार की प्रयोगशाला होगी। महिलाएं सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखेंगी, यह विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में शामिल होने जा रहा है।

हम खुद विश्व जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा और असमानता जैसी चुनौतियों से लड़ेंगे और सहकारिता के माध्यम से सशक्त बनकर और भारतीय जनमानस को सशक्त बनाकर सामुदायिक भागीदारी और टिकाऊ विकास का नया मार्ग तैयार करेंगे। सहकारिता विश्वविद्यालय के संबंध में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के आणंद में इस विश्वविद्यालय के शिलान्यास समारोह में इसके उद्देश्यों को विस्तार से रखा तो इसके बारे में जो भी कल्पनाएं लोग किए हों, लेकिन अब तो इस विश्वविद्यालय से सैकड़ों छात्र व शोधार्थी उपाधि प्राप्त करके भारत देश की सेवा में आगे बढ़ने जा रहे हैं। अब जो अनमने ढंग से इस पहल की आलोचना करते रहे होंगे उनके लिए भी एक सीख है कि देश के लिए पहले अपने मन में इच्छा पैदा करो, उसे संजोकर उसकी संकल्पना को स्वरूप दो और फिर उसे स्थापित करके मिसाल के रूप में पेश करो। अमित शाह की प्रसन्नता की अनुभूति निःसंदेह असीमित होगी क्योंकि सहकारिता के नए आकाश में नई उड़ान की यह देशव्यापी हर्ष व उल्लास की बेला है।

(लेखक पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में चेयर प्रोफ़ेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

रक्षा प्रणाली
प्रमोद भार्गव

लंबी जंग की तैयारी के लिए सक्षम होता भारत

ऑपरेशन सिंदूर की छोटी लड़ाई के बाद भारत रक्षा-रणनीति में बदलाव के ऐसे संकेत दे रहा है कि पाकिस्तान या अन्य किसी देश से लंबी लड़ाई भी लड़नी पड़े तो उसकी युद्ध क्षेत्र में सक्षमता बनी रहे। नतीजतन पिछले सवा साल में भारत ने हथियार व अन्य उपकरणों की बड़ी खरीद की है अथवा उसकी तैयारी चल रही है। अतएव स्पष्ट संकेत है कि तीनों सेनाओं को अब सीमित जवाबी कार्रवाई के लिए नहीं, बल्कि लंबी और बहुस्तरीय लड़ाई के लिए तैयार किया जा रहा है। रक्षा क्रियान्वयन सलाहकार परिषद ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत हुए संघर्ष के बाद 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिनकी कुल कीमत 9.80 लाख करोड़ रुपये हैं। यह राशि कई वर्षों में धीरे-धीरे खरीद सौदों, निर्माण कार्यों और योजनाओं के आधुनिकीकरण पर खर्च होगी। हाल ही में भारतीय निजी उद्योगपतियों को भी बड़ी रक्षा सामग्री के निर्माण की अनुमति दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर तीन नौसेनिक जहाजों आइएनएस दूनागिरी, आइएनएस संशोधक और आइएनएस अग्रय को नौसेना के बेड़े को सुपुर्द करते हुए कहा है कि 'कोई भी राष्ट्र समुद्र में अपनी क्षमता बढ़ाए बिना बड़ी शक्ति नहीं बन सकता है। ये संकेत स्पष्ट करते हैं कि ये तैयारियां भारत को सामरिक दृष्टि से वैश्विक पटल पर महत्वपूर्ण बना रही हैं। इन खरीदों में टैंक, तोप, ड्रोन, एयरडिफेंस इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और लंबी दूरी के सटीक हमले के लिए एआई नेटवर्क आधारित युद्ध क्षमता को विकसित करने के बड़े संकेत हैं। दरअसल रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास और अमेरिका-ईरान तथा पश्चिम एशिया के देशों में चल रहे युद्ध को देखते हुए भारत की सैन्य सोच बदली है। हालांकि पनडुब्बियों और पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की भी बड़ी संख्या में जरूरत है। भारत ने मार्च 2025 में 54 हजार करोड़, जुलाई में 1.05 लाख करोड़, अगस्त में 67 हजार करोड़, अक्टूबर में 79 हजार करोड़ की रक्षा सामग्री खरीद के प्रस्ताव अलग-अलग देशों को दिए हैं। फरवरी 2026 में 3.6 लाख करोड़ की रक्षा सामग्री खरीद प्रस्तावों को मंजूरी देने के साथ 114 नए राफेल विमान भी खरीदे जा रहे हैं। इसी माह जुलाई में 52 हजार करोड़ की सामग्री सैन्य-बलों की जंगी क्षमता बढ़ाने के लिए दिए गए हैं। साफ है, भविष्य में भारत का किसी देश से युद्ध होता है तो वह लंबी लड़ाई की सामर्थ्य दिखाने में अग्रणी रहेगा। स्वदेशी तकनीक से निर्मित जो तीन युद्धपोत सेना में शामिल किए गए हैं, उनसे वाकई भारत की समुद्र में ताकत बढ़ी है, क्योंकि बीते कुछ वर्षों में 40 से अधिक स्वदेश में ही निर्मित युद्धपोत और पनडुब्बियां समुद्र में तैनात कर दिए हैं। भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ाने वाले ये जहाज और पनडुब्बियां भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ देश की औद्योगिक क्षमता बढ़ाने वाली है। आने वाले दिनों में इनके निर्यात के द्वार भी खुल जाएंगे। अतएव पश्चिम बंगाल की ब्लू इकोनोमी का बड़ा केंद्र बन जाएगा। भारत में नौसैनिकों की सुविधाओं के लिए 45 बड़े प्लेटफॉर्म भी तैयार किए जा रहे हैं। आइएनएस दूनागिरी अत्याधुनिक हथियारों और संवेदनशील प्रणालियों के साथ ब्रह्मोस मिसाइल से संपन्न है।

ब्रह्मोस सतह से सतह और सतह से आकाश तक शत्रु पर सटीक हमला करने में युद्धपोत पर लगे नवीनतम उपकरण एवं स्टेल्थ तकनीक के कारण यह मिसाइल रडार की पकड़ में नहीं आती है। इसकी इस विलक्षणता के चलते ब्रह्मोस मिसाइल को दूसरे देश भी खरीद रहे हैं। आइएनएस संशोधक देश का सबसे बड़ा सर्वेक्षण पोत है। इसे तटीय क्षेत्रों व गहरे समुद्री इलाकों में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने तथा रक्षा एवं नगरिक क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण आंकड़े जुटाने के उद्देश्य से निर्मित किया गया है। आइएनएस अग्रय पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है। उथले समुद्री क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों और अन्य खतरों का मुकाबला करने में इसे अत्यंत प्रभावी माना जा रहा है। यह टारपीडो, स्वदेशी रॉकेट लांचर और उथले जल के लिए विकसित सोनार प्रणाली से लैस है। इसके चलते समुद्र के भीतर गुप्त खतरे का इसे पता चल जाता है। स्वदेशी युद्धपोत निर्माण की इस क्षमता ने भारत को पोत निर्माण में आत्मनिर्भर बना दिया है। इस उपलब्धि से समुद्र में भारतीय हितों की रक्षा का अभियान और प्रभावी ढंग से चलाया जा सकेगा। इसके पहले भारत स्वदेशी तकनीक से परमाणु पनडुब्बी आईएनएस 'अरिहंत' का निर्माण 2009 में शुरू करके 2013 में इसे समुद्र में जलावतरण भी कर चुका है। इस स्वदेशी परमाणु चालित पनडुब्बी अरिहंत का परमाणु रिएक्टर चालू होना हमारी स्वदेशी तकनीकि क्षमताओं को विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम था।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आत्मसंयमी होना श्रेष्ठ व्यक्ति का प्रथम लक्षण

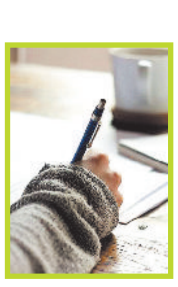

संकलित
दर्शन

आत्मसंयम मनुष्य की ऐसी आंतरिक क्षमता है, जिसके आधार पर मनुष्य अपना समग्र विकास करने में सक्षम होता है। बुरी आदतों पर नियंत्रण आत्मसंयम की शक्ति से ही संभव है। असल में यही खराब आदतें हमारी प्रगति की राह में अवरोध बनती हैं। यदि दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मसंयम में सही ताल मिल जाए तो असंभव से लक्ष्य को भी सरलता से प्राप्त किया जा सकता है। संयम एक ऐसा बीज मंत्र या आवरण है, जो हर स्थिति में कारगर होता है। इस संसार में जितने भी महापुरुष हुए हैं, उनका जीवन यही संदेश देता है कि उनके उत्कर्ष में आत्मसंयम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आत्मसंयमी होना श्रेष्ठ व्यक्ति का प्रथम लक्षण है। जिन लोगों में आत्मसंयम होता है उनका स्वास्थ्य, रिश्ते, आर्थिक स्थिति और करियर अन्य लोगों की अपेक्षा बेहतर होता है। ऐसे लोग जीवन से अधिक संतुष्ट रहते हैं। उन्हें जीवन अधिक सार्थक लगता है। आत्मसंयम का जीवन रचनात्मकता से ओतप्रोत होता है। यह सद्गुण काम, क्रोध, लोभ, मोह और भय को दूर करने के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व को गहराई एवं गंभीरता प्रदान कर उसके जीवन को सुखप्रद बनाता है। आत्मसंयम का महामंत्र आत्मसात कर हम असीमित इच्छाओं के अश्व की लगाम अपने हाथ में रख सकते हैं। थोड़ा गहराई में जाएं तो संयमी की यात्र कंकर से शंकर बनने की है। हमें अपने जीवन में आत्मसंयम की आवश्यकता इसलिए भी पड़ती है, ताकि हम पथ से भटके बिना अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल हो सकें।

गुरु की कृपा से असंभव काम पूरे हो पाते हैं

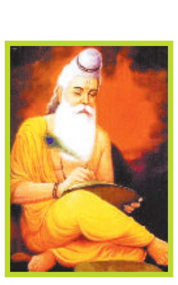

संकलित
प्रेरणा

महाभारत और श्रीमद् भागवद् कथा के रचियता महर्षि वेदव्यास भगवान विष्णु के अवतार माने गए हैं। इनका पूरा नाम कृष्णद्वैपायन था। इन्होंने ही वेदों का संपादन किया। इसलिए इनका नाम वेदव्यास पड़ा। इनके पिता महर्षि पाराशर और माता सत्यवती थीं। पैल, जैमिन, वैशम्पायन, सुमन्तु मुनि, रोमहर्षण आदि महर्षि वेदव्यास के महान शिष्य थे। एक बार महर्षि वेदव्यास हस्तिनापुर गए। उस समय गांधारी और धृतराष्ट्र ने उनकी बहुत सेवा की थी। उनकी सेवा से प्रसन्न होकर महर्षि ने सौ पुत्रों की माता होने का वरदान गांधारी को दिया था। कुछ समय बाद जब गांधारी गर्भवती हुईं। जब संतान के जन्म का समय आया तो संतान की जगह एक मांस पिंड प्रकट हुआ। जब ये बात वेदव्यास जी को मालूम हुई तो वे तुरंत गांधारी के पास पहुंचे। वेद व्यास जी ने अपनी विद्या से उस मांस पिंड से सौ पुत्र बना दिए। गुरु की कृपा से गांधारी सौ पुत्रों की माता बन गई। महर्षि के आशीर्वाद से ही गांधारी को सौ पुत्र हुए जो आगे जाकर कौरव कहलाए। जिनके सेनापति दुर्योधन हुए। महाभारत के युद्ध में दुर्योधन ने ही कौरव सेना की कमान संभाली थी। गुरु की कृपा हो जाती है तो असंभव काम भी पूरा हो जाता है। इसी लिए हम गुरु की आराधना सच्चे मन से करनी चाहिए ताकि उसका फल हमें मिले। कहा गया है की बिना गुरु ज्ञान अधूरा है। गुरु ही हमारा विपत्ति के समय मार्ग दर्शन करते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

होर्मुज संकट : विश्व आर्थिकी के लिए बढ़ता खतरा

अमरीका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने एक बार फिर होर्मुज जलडमरूमध्य को वैश्विक चिंता का विषय बना दिया है। यदि यह समुद्री मार्ग लंबे समय तक बाधित रहता है, तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार व्यवस्था प्रभावित होगी। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि क्षेत्रीय संघर्ष अब वैश्विक संकट का रूप ले सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। प्रतिदिन दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति इसी रास्ते से होती है। जहाजों की आवाजाही अगर बाधित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आना स्वाभाविक है। – *सुभाष यादव, बलौदाबाजार*

ट्रेंड

ट्रेड एग्रीमेंट

आज से भारत-यूके कॉम्प्रिहेन्सिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट लागू हो गया है। उम्मीद है कि यह अहम समझौता 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को $100 बिलियन तक पहुंचाएगा।
-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

अंतरिक्ष उड़ान

भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन ने अपनी पहली अंतरिक्ष उड़ान के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर कदम रखा है। यह मिशन नई रिसर्च, टेक्नोलॉजी में इनोवेशन और अंतरिक्ष अभियानों के लिए नई संभावनाओं का रास्ता खोलेगा।
- सम्राट चौधरी, सीएम, बिहार

पारदर्शी परीक्षा प्रणाली

पारदर्शी परीक्षा प्रणाली हर छात्र का अधिकार है। कांग्रेस पार्टी देश भर में छात्रों के इस अधिकार के लिए लड़ रही है। मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में यह समस्या और भी गंभीर है, जहां व्यापम, पटवारी भर्ती, कॉन्स्टेबल भर्ती और नर्सिंग कॉलेज जैसे घोटाले हुए हैं।
- कमलनाथ, पूर्व सीएम, मध्यप्रदेश

दर्शकों का अपमान

फिल्मों पर सेंसरशिप असल में दर्शकों का अपमान है। स्मार्टफोन और बेहिसाब जानकारी तक पहुंच के इस दौर में, यह सोचना कि सरकार की बनाई कमेटी किसी सच्चाई के बारे में फिल्ममेकर के नज़रिए से बालिग लोगों को बचा सकती है, ये सिर्फ़ पुरानी सोच है, बल्कि बेवकूफ़ी भी है।
- रामगोपाल वर्मा, फिल्मकार

करंट अफेयर

ग्रेट बैरियर रीफ के लिए खतरा बना है जल प्रदूषण

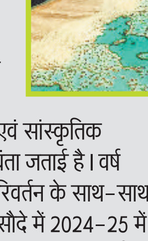

जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले प्रवाल विरंजन (कोरल ब्लीचिंग) को आमतौर पर ग्रेट बैरियर रीफ के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जाता है, लेकिन दुनिया की इस सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति प्रणाली के सामने खराब जल गुणवत्ता भी एक गंभीर चुनौती है। खेती, शहरों और वन क्षेत्रों से बहकर नदियों में पहुंचने वाली मिट्टी (तलछट) समुद्र में दूर तक पहुंच जाती है। इसकी अधिक मात्रा प्रवाल भित्तियों और समुद्री घास (सीग्रास) के मैदानों को ढक सकती है, जबकि उर्वरकों और कीटनाशकों के अवशेष स्थिति को और खराब कर देते हैं। जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक समस्या है, लेकिन जल गुणवत्ता ऐसा मुद्दा है जिस पर ऑस्ट्रेलिया सीधे कार्रवाई कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने हाल के वर्षों में बार-बार इस पर चिंता जताई है। वर्ष 2023 के बाद जारी चौथे मसौदा निर्णय में भी जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ खराब जल गुणवत्ता को प्रमुख खतरा बताया गया है। मसौदे में 2024-25 में प्रवाल विरंजन, खराब जल गुणवत्ता, मछली पकड़ने के ऐसे गैर टिकाऊ तरीके और तटीय भूमि के अनुचित उपयोग से हुए नुकसान पर ऑस्ट्रेलियाई सरकार से रिपोर्ट मांगी गई है।

ऑफ बीट

खुद सब्जियां उगाने वाले कम भोजन करते हैं बर्बाद

जीवन यापन के बढ़ते खर्च से लोगों, विशेष रूप से कम आय वाले (जिनका आहार अक्सर समुचित नहीं होता है), के लिए स्वस्थ आहार का खर्च उठा पाना कठिन होता जा रहा है। इसके बावजूद, ब्रिटेन में घरों में हर साल आश्चर्यजनक मात्रा में भोजन बर्बाद होता है। इसमें लगभग 68 किलोग्राम फल और सब्जियां भी शामिल है। खाने की बर्बादी न केवल आपकी जेब पर भारी पड़ती है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। वैश्विक स्तर पर, हर साल 1.3 अरब टन भोजन बर्बाद हो जाता है, जिससे दुनिया के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग आठ प्रतिशत उत्पन्न होता है। ये उत्सर्जन खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के सभी चरणों में अप्रयुक्त भोजन से उत्पन्न होता है। हमारे हालिया अध्ययन से हालांकि पता चला है कि जो लोग बगीचों और आवंटित जमीनों में फसल और सब्जियां स्वयं उगाते हैं, वे औसतन केवल 3 .4 किलोग्राम फल और सब्जियां बर्बाद करते हैं – जो ब्रिटेन के औसत से 95 प्रतिशत कम है। इन परिवारों ने भोजन की बर्बादी को कम करने के लिए विभिन्न प्रथाओं को अपनाया, जिसमें अपनी अतिरिक्त उपज को संरक्षित करना या किसी अन्य को दे देना भी शामिल है। हाल के वर्षों में ब्रिटेन और अन्य जगहों पर बगीचों, सामुदायिक उद्यानों और आवंटित भूमि पर ताजा फसल एवं सब्जियां उगाने में दिलचस्पी फिर से बढ़ी है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बिलासपुर
गुरुवार 16 जुलाई 2026
आषाढ़, शुक्ल पक्ष द्वितीया
वर्ष : 26, अंक : 115
पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 34.80
न्यून. 26.10

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

7
16 साल बाद फाइनल में स्पेन एम्बाप्पे की स्टार ब्रिगेड फेल

आजकल
सहकारिता के नए आकाश ...

नए सुरक्षा मानक लागू

सुरक्षा के लिए फैक्ट्री नियमों में बड़ा बदलाव
महिलाओं के रोजगार पर नहीं, बल्कि सुरक्षित कार्यस्थल पर जोर

गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं से कारखानों में नहीं ले सकते जोखिम भरा काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के कारखानों में कार्यरत महिलाओं, विशेषकर गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं से अब कारखानों में जोखिम भरे काम नहीं लिए जा सकेंगे। यह दरअसल सुरक्षा के नए मानकों का हिस्सा है। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ कारखाना नियम, 1962 में व्यापक संशोधन करते हुए खतरनाक प्रक्रियाओं में उनके नियोजन को लेकर नए प्रावधान लागू किए हैं। संशोधन का उद्देश्य महिलाओं के रोजगार पर रोक लगाना नहीं, बल्कि उच्च जोखिम वाले औद्योगिक कार्यों में उनके स्वास्थ्य और मातृत्व की सुरक्षा सुनिश्चित ▶▶ शेष पेज 6 पर

क्यों महत्वपूर्ण है यह संशोधन?

औद्योगिक क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए यह संशोधन महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पहले नियमों में गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए इतनी स्पष्ट परिभाषाएं और विस्तृत सुरक्षा प्रावधान नहीं थे। अब राज्य सरकार ने मातृत्व सुरक्षा और कार्यस्थल पर स्वास्थ्य संरक्षण को कानूनी रूप से अधिक मजबूत आधार प्रदान किया है, जिससे उद्योगों में सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ऐसे में नहीं लगाया जा सकेगा काम

संशोधित नियमों के तहत गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और अल्पवय व्यक्तियों को कई खतरनाक औद्योगिक प्रक्रियाओं में नियोजित नहीं किया जा सकेगा। इनमें क्रोमियम, निकेल, कैडमियम, जस्ता, तांबा और अन्य धातुओं की इलेक्ट्रोप्लेटिंग, सीसा (लीड) से जुड़े कार्य, कांच निर्माण, पेट्रोल गैस उत्पादन, सॉल्वेंट एक्सट्रैक्शन प्लांट, मैंगनीज और उसके यौगिकों का निर्माण, बेंजीन युक्त रसायनों का उत्पादन, खतरनाक कीटनाशकों का निर्माण व भंडारण तथा कैंसरकारी डाई इंटरमीडिएट्स जैसे उच्च जोखिम वाले कार्य शामिल हैं।

अन्य महिलाओं के लिए रोजगार जारी रहेगा

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रतिबंध केवल गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और अल्पवय व्यक्तियों पर लागू होगा। अन्य महिलाओं को इन उद्योगों में रोजगार दिया जा सकेगा, लेकिन कारखाना संचालकों को कठोर सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा। संशोधित नियमों के अनुसार उद्योगों में बंद (इनक्लोज्ड) प्रणाली, स्वचालित संचालन, वायु गुणवत्ता की निगरानी, रसायनों की अनुमेय सीमा (पीईएल) का पालन, विशेष व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण , नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, रक्त में सीसे की जांच, जैविक निगरानी, गैस डिटेक्शन सिस्टम, आपातकालीन प्रशिक्षण तथा नियमित सुरक्षा प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है।

औद्योगिक सुरक्षा मानकों को आधुनिक बनाने की पहल

संशोधन में कई ऐसे सुरक्षा उपाय शामिल किए गए हैं जो आधुनिक औद्योगिक सुरक्षा मानकों के अनुरूप हैं। इनमें स्वचालित मशीनों का उपयोग, जोखिम वाले कार्यों का ऑटोमेशन, स्थानीय वेंटिलेशन, वाष्प निगरानी प्रणाली, धूल नियंत्रण, हीट स्ट्रेस मॉनिटरिंग, एक्सपोजर समय की सीमा तय करना, श्वसन सुरक्षा उपकरण और नियमित चिकित्सा निगरानी जैसे प्रावधान शामिल हैं।

प्रख्यात कलाकार मूझिक्कल पंकजाक्षी का निधन

कोट्टायम। केरल की प्राचीन और दुर्लभ कठपुतली कला 'नोक्कुविद्या पावक्कली' की प्रख्यात कलाकार तथा पद्मश्री से सम्मानित मूझिक्कल पंकजाक्षी का बुधवार को निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। वह उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रही थीं और कूथाट्टुकुलम के एक निजी अस्पताल में उनका उपचार किया जा रहा था। कोट्टायम जिले के मोनिपल्ली की रहने वाली पंकजाक्षी को सदियों पुरानी और बेहद अनूठी कठपुतली कला नोक्कुविद्या पावक्कली को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का श्रेय दिया जाता है।

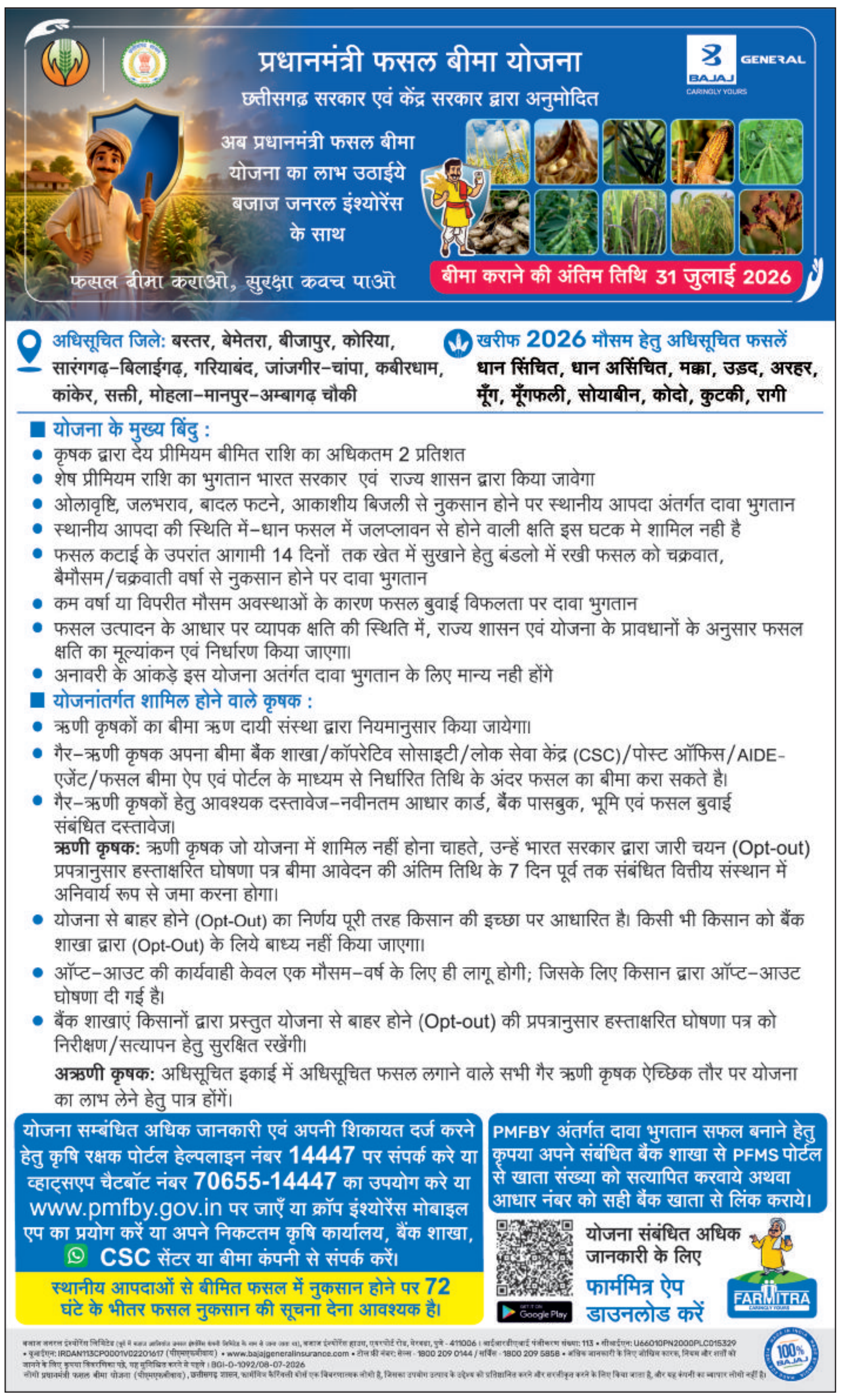

सेमीकंडक्टर, मोबाइल विनिर्माण को बढ़ावा देने 1.9 लाख करोड़ की योजनाओं

देश में ही बनेंगे मोबाइल पुर्जे, ग्लोबल चिप मार्केट में बजेगा भारत का डंका!

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देश में सेमीकंडक्टर परिवेश को मजबूत बनाने, मोबाइल फोन का उत्पादन बढ़ाने और वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण केंद्र के तौर पर स्थिति मजबूत करने के लिए लगभग 1.9 लाख करोड़ रुपए के व्यय वाली दो बड़े विनिर्माण कार्यक्रमों को मंजूरी दी। सरकार ने सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपये के 'सेमीकॉन 2.0' कार्यक्रम को मंजूरी दी है। इसके साथ ही, मोबाइल फोन का घरेलू उत्पादन बढ़ाने, निर्यात को बढ़ावा देने और स्थानीय मूल्य सृजन को मजबूत करने के मकसद से 62,500 करोड़ रुपये की 'मोबाइल फोन विनिर्माण' योजना को ▶▶ शेष पेज 6 पर

भारत को दुनिया का प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स और हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग पावरहाउस बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' को हरी झंडी दे दी है। देश के भीतर चिप और सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को पूरी तरह से विकसित करने के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपए का भारी-भरकम बजट आवंटित किया है।

कैबिनेट में फैसले

- भारत में चिप निर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक बड़े बजट के साथ 'सेमीकॉन 2.0' योजना
- देश में मोबाइल निर्माण को रफ्तार देने और इलेक्ट्रॉनिक सामानों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए नई योजना
- वाराणसी के एलिवेटेड कॉरिडोर को मंजूरी, 89 किमी ▶▶ शेष पेज 6 पर

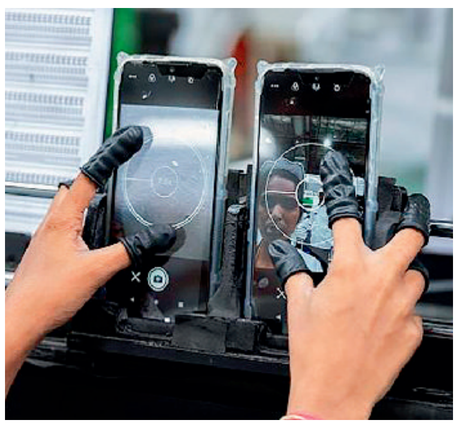

12 विनिर्माण परियोजनाएं

भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र पर जोर देने से 12 विनिर्माण परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है। इन परियोजनाओं में कुल मिलाकर 1.64 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश होगा। सरकार ने कहा कि 2014-15 के बाद से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में काफी वृद्धि हुई है। उत्पादन सात गुना और निर्यात 11 गुना बढ़ गया है। इसमें 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत मोबाइल फोन विनिर्माण का बड़ा योगदान है। सेमीकंडक्टर और मोबाइल विनिर्माण के ये कार्यक्रम भारत की उस बड़ी रणनीति का हिस्सा हैं।

देश में यूरिया के आठ से नौ नए संयंत्र

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय निवेश नीति-2026 को बुधवार को मंजूरी दे दी। इसका उद्देश्य देश में एक करोड़ टन अतिरिक्त यूरिया उत्पादन क्षमता सृजित करना और सर्वाधिक इस्तेमाल होने वाले इस उर्वरक के मामले में भारत को आत्मनिर्भर बनाना है। पिछले एक दशक में छह नए संयंत्र स्थापित होने से यूरिया आयात पर भारत की निर्भरता कम हुई है।

परियोजनाओं को मंजूरी दी

रेल मंत्रालय की लगभग 3,907 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली दो परियोजनाओं को मंजूरी दे दी। समिति ने पारादीप-हरिदासपुर खंड के दोहरीकरण तथा राजखरसावां-डांगोआपोसी खंड पर चौथी रेल लाइन के निर्माण को मंजूरी दी। रेल लाइन क्षमता बढ़ने से आवाजाही में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिससे भारतीय रेल की परिचालन दक्षता और सेवा की विश्वसनीयता बेहतर होगी। बहु-लाइन संबंधी ये परियोजनाएं परिचालन को सुचारु बनाने और दबाव कम करने में सहायक होंगी।

सबके खिलाफ चार्जशीट जारी

सामूहिक नकल मामले में चपरासी समेत पांच दोषी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

सामूहिक नकल मामले में हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई में सचिव स्कूल शिक्षा ने एक एफिडेविट फाइल किया है। इसमें बताया गया कि घटना की जांच के बाद दोषी लोगों लेक्चरर गंगा प्रसाद पटेल, अनिरुद्ध, आलोक भोई, दिनेश कुमार दास, असिस्टेंट टीचर दुर्गा प्रसाद पटेल और श्रीमती विजिया बुडेक (भृत्य) के खिलाफ चार्जशीट तैयार किया गया है। शपथ पत्र के मुताबिक इन सभी को नोटिस भी दिया गया है। इसके बाद विभागीय जांच आगे बढेगी। शपथपत्र के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग के सेक्रेटरी एक और पर्सनल एफिडेविट फाइल करेंगे, जिसमें पांच दोषी अधिकारियों के खिलाफ शुरू की गई डिपार्टमेंटल जांच की प्रोग्रेस और उसके अनुसार की गई कार्रवाई बताई जाएगी। अगर जांच पूरी हो जाती है, तो उसका आखिरी नतीजा भी संबंधित ऑर्डर के साथ रिकॉर्ड में लाया जाएगा। अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को निर्धारित की गई है।

- शिक्षा सचिव ने हाईकोर्ट में दायर किया हलफनामा

यह था पूरा मामला

महासमुंद जिले के भंवरपुर सेंटर पर 12वीं बोर्ड एग्जाम के दौरान, नीता नाम की एक स्टूडेंट ने एग्जाम हॉल में खुलेआम नकल कराने में मदद करने की एक्टिविटी को स्टिंग ऑपरेशन के ज़रिए रिकॉर्ड किया और सबूतों के साथ शिकायत दर्ज कराई। जब डिस्ट्रिक्ट लेवल पर कोई सुनवाई नहीं हुई, तो वह माध्यमिक शिक्षा मंडल (बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन) के ऑफिस में लिखित शिकायत दर्ज कराने गई। शिकायत में कार्रवाई नहीं होने पर उसने हाई कोर्ट में याचिका पेश की। चीफ जस्टिस ने मामले को जनहित याचिका मानते हुए मामले को संज्ञान में लिया है।

ईस्ट 12 जहाँ है आपके सपनों का घर

श्री स्वस्तिक ग्रुप के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक ईस्ट 12 है जो कि शहर के प्राइम लोकेशन खम्हारडीह शंकर नगर में स्थित है। यह प्रोजेक्ट 12 फ्लोर का है जिसमें 2, 3 एवं 4 बीएचके के फ्लैट्स उपलब्ध हैं। इस प्रोजेक्ट में लगभग विकास के कार्य पूर्ण हो चुका है, कई परिवार रहने आ चुके हैं। इस प्रोजेक्ट में उपलब्ध फ्लैट मे तुरंत पोजीशन लिया जा सकता है। इसके आसपास बहुत हरियाली है एवं शुद्ध वातावरण है। इस प्रोजेक्ट में कमर्शियल स्पेस भी उपलब्ध है। जिसके अंतर्गत बनाये गये सभी दुकानें बिक चुकी हैं एवं कई दुकाने खुल चुकी है। प्राइम लोकेशन एवं उपलब्ध सुविधाओं के चलते Occupancy दिनों दिन बढ़ती जा रही है। इस प्रोजेक्ट में फ़्लेट बहुत ही किफायती दरों पर उपलब्ध है। जहां की प्रीमियम फैसिलिटी प्रदान की जा रही है, जिसमें सेपरेट पार्किंग, स्विमिंग पूल, किड्स पूल, जिम-योग सेंटर, एरोबिक्स सेंटर, बिलियर्ड रूम, कैरम रूम, चिल्ड्रन प्ले जोन आदि सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इस प्रोजेक्ट में फर्स्ट फ्लोर पर पोडियम गार्डन, किड्स प्ले एरिया एवं ग्राउंड फ्लोर पर मंदिर, बैडमिंटन कोर्ट, सीनियर सिटीजन जोन, कार वॉशिंग एरिया आदि तमाम सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इस प्रोजेक्ट में उपयोग मैं लाई गई एमेनिटीज प्रीमियम स्तर की है। लोकेशन एकदम शानदार है। राजधानी के पॉश एरिया में डेवलपमेंट बहुत तेजी से हो रहा है। क्षेत्र में अनेक आधुनिक सुविधाओं का विस्तार भी हो रहा है। इधर सुव्यवस्थित बसाहट के साथ कनेक्टिविटी बहुत अच्छी है। पूरा एरिया विकसित जोन के तौर पर इस शहर में अलग पहचान बनाते जा रहा है। यह प्रोजेक्ट सभी सरकारी विभागों से अनुमोदित है एवं रेरा में रजिस्टर्ड है। इस प्रोजेक्ट के आसपास जिस गति से डेवलपमेंट हो रहा है उसकी तुलना में इसकी कीमत बहुत अच्छी मानी जा रही है। वर्तमान में बिल्डर्स के द्वारा मात्र 44.99 लाख में पूर्णतः फर्निस्ड 2 BHK स्टूडियों अपार्टमेंट प्रदान किये जा रहे है।

सुनील साहू
मैनेजिंग डायरेक्टर - श्री स्वास्तिक ग्रुप

श्री स्वास्तिक ग्रुप के डायरेक्टर श्री सुनील साहू जी का मानना है कि रियलस्टेट का मतलब सिर्फ प्रोजेक्ट बेचना नही है। बल्कि लोगों के सपनों को सच करते हुए भरोसा बनाना महत्वपूर्ण होता है।

प्रमुख सुविधाएं (Amenities)

- सेपरेट पार्किंग
- स्वीमिंग पुल, किड्स पुल,
- जीम, योग सेन्टर
- एरोबिक्स सेन्टर
- बिलियर्ड रूम
- कैरम रूम
- सेपरेट चिल्ड्रन रूम
- भव्य मंदिर
- ओपन स्पेस एवं
- फैमली-फ्रेन्डली वातावरण

बेहतरीन कनेक्टीविटी

एजुकेशन हब के नजदीक- ईस्ट 12 राजधानी रायपुर के सबसे प्राईम लोकेशन खम्हारडीह शंकर नगर में स्थित है, इसके आसपास कई विश्व स्तरीय शैक्षणिक संस्थान जैसे KPS स्कूल, DPS स्कूल, Buds N Blooms स्कूल, अंजनेय विश्वविद्यालय 5 से 15 मिनट की दूरी पर उपलब्ध है। यहां आवागमन हेतु इन सभी शैक्षणिक संस्थानों के व्हीकल्स ईस्ट 12 के प्रागंण तक उपलब्ध रहते है।

हॉस्पिटल के नजदीक

इसके नजदीक ही मात्र 5 से 10 मिनट की दूरी पर रायपुर के बड़े मल्टीस्पेस्लिस्ट हॉस्पिटल जैसे बालाजी सुपर मल्टीस्पेस्लिटी हॉस्पिटल, ITSA हॉस्पिटल, मित्तल हॉस्पिटल, MGM हॉस्पिटल आदि उपलब्ध है।

मॉल एवं मार्केट के नजदीक

इसके नजदीक ही मात्र 5 से 10 मिनट की दूरी पर रायपुर के प्रसिद्ध मैग्नेटो मॉल, अंबुजा मॉल, एवं सिटी सेन्टर मॉल से डायरेक्ट कनेक्टिविटी उपलब्ध है, इसके अलावा पंडरी कपड़ा मार्केट एवं वेजिटेबल मार्केट उपलब्ध है। जहां पर आप अपने आवश्यकतानुसार शॉपिंग, मूवी मस्ती एवं परिवार के साथ क्वालिटी टाईम एक्सपेंड कर सकते है।

एयरपोर्ट से मात्र 20 मिनट का रास्ता

रायपुर राजधानी स्थित स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल एयरपोर्ट एवं नया रायपुर से ट्रैफिक रहित डायरेक्ट कनेक्टीविटी ईस्ट 12 को विशेष बनाता है। इसके अलावा मुम्बई - कलकत्ता हाइवे मात्र 5 मिनट की दूरी पर उपलब्ध है। रायपुर बिलासपुर हाईवे मात्र 10 मिनट की दूरी पर स्थित है।

SHRI SWASTIK GROUP — THE SIGN OF TRUST
NIVESH WEL — Investment of Trust

SWASTIK'S
East 12
SHANKAR NAGAR , RAIPUR

FULLY FURNISHED STUDIO APARTMENT

Last Chance
TO GRAB RARE MODERN STUDIO APARTMENT

Ready Possession
44.99 Lakhs
FULLY FURNISHED
2 BHK STUDIO APARTMENT

Call 7400840000
www.rera.cgstate.gov.in
PCGRERA-250618000315

SHRI SWASTIK GROUP — THE SIGN OF TRUST
3rd floor Shubham Corporate
Infront of Airtel Office
Telibandha, Raipur (C.G.)
E-mail:shriswastikgrp@gmail.com
www.shriswastikgroup.com

Marketing Associates
NIVESH WEL
Investment of Trust
An ISO 9001-2008 Company

Promoter
L B Realities

छत्तीसगढ़ के रियल एस्टेट मार्केट में 'अष्टविनायक रियल्टीज़' बना विश्वास का पर्याय

संतोष लोहाना (विक्की)
सी.एम.डी.
अष्टविनायक रियल्टीज़

उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ बनाया विशेष स्थान

छत्तीसगढ़ के रियल स्टेट बाजार में अपनी गुणवत्ता, समय पर डिलीवरी और ग्राहकों के अटूट भरोसे के दम पर 'अष्टविनायक रियल्टीज़ ने एक उल्लेखनीय मुकाम हासिल कर लिया है। बदलते दौर की आधुनिक जरूरतों को समझते हुए कंपनी ने निर्माण क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

मुख्य आकर्षण और उपलब्धियां गुणवत्ता और नवाचार: मजबूत निर्माण और आधुनिक वास्तुकला का बेहतरीन तालमेल।

समय पर डिलीवरी: तय समय सीमा के भीतर खरीदारों को पजेशन देकर जीता भरोसा।

सपनों का आशियाना: मध्यम वर्ग से लेकर प्रीमियम सेगमेंट तक के लिए किफायती और लग्जरी प्रोजेक्ट्स।

सस्टेनेबल लिविंग: पर्यावरण के अनुकूल (Eco-friendly) तकनीकों और ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट का उपयोग। बाजार में बढ़ी साख विशेषज्ञों के अनुसार, रियल एस्टेट सेक्टर में मंदी और उतार-चढ़ाव के बावजूद अष्टविनायक रियल्टीज़ ने अपनी रणनीतिक योजना और पारदर्शी काम-काज से बाजार में अपनी स्थिति मजबूत की है। कंपनी के प्रोजेक्ट्स न केवल रहने के लिहाज से बल्कि निवेश के लिए भी पहली पसंद बन रहे हैं।

अष्टविनायक रियल्टीज़ के प्रमुख प्रोजेक्ट्स और उनकी खासियतें:

1. अष्टविनायक शांति कुंज सिटी फेस-1 एवं फेस-2 लोकेशन: छछानपैरी, ओल्ड धमतरी रोड, रायपुर। प्रोजेक्ट का दायरा: लगभग 94 एकड़ की विशाल सुरक्षित और कवर्ड कैंपस टाउनशिप। प्लॉट साइज: 1250 से 1800 वर्ग फीट के कुल 1200 आवासीय प्लॉट। **विशेषताएं:** टाउनशिप में 45% खुला स्थान (Open Space) छोड़ा गया है। इसमें सबसे बड़ा शहरी पार्क, क्लब हाउस, स्विमिंग पूल, मिनी थिएटर, जिम, स्पोर्ट्स हब (क्रिकेट-फुटबॉल ग्राउंड) और एक भव्य मंदिर गार्डन शामिल हैं।

2. गुलमोहर ग्रीन्स लोकेशन: मुजगहन, ओल्ड धमतरी रोड, रायपुर।
खासियत: यह प्रोजेक्ट पर्यावरण के अनुकूल और शांत वातावरण में प्रीमियम और आधुनिक जीवनशैली की चाह रखने वालों के लिए तैयार किया जा रहा है, जो सभी शहरी सुविधाओं के बेहद करीब है।

3. महादेव विहार लोकेशन: सेजबहार, सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के पास, ओल्ड धमतरी रोड। **खासियत:** बेहतर कल के लिए स्मार्ट इन्वेस्टमेंट और आधुनिक सुविधाओं से लैस यह एक सुव्यवस्थित गेटेड रेजिडेंशियल टाउनशिप है।

4. अष्टविनायक सिटी लोकेशन: कांदुल रोड, कमल विहार / संतोषी नगर के पास, रायपुर। **खासियत:** सर्वसुविधायुक्त इस प्रीमियम रेजिडेंशियल प्लॉट प्रोजेक्ट में क्लब हाउस, स्विमिंग पूल, ओपन जिम और चौड़ी सड़कों का नेटवर्क है। यह पूरी तरह से रेरा पंजीकृत है जो खरीदारों को कानूनी सुरक्षा और पारदर्शिता देता है।

5. वेदांता ग्रीन्स लोकेशन: छछानपैरी, ओल्ड धमतरी रोड, रायपुर। **खासियत:** प्राकृतिक हरियाली के बीच शानदार मुख्य द्वार, आधुनिक क्लब हाउस और स्विमिंग पूल जैसी सुविधाओं के साथ यह एक बजट-फ्रेंडली बेहतरीन विकल्प है। ग्राहकों का भरोसा और बेहतर कनेक्टिविटी ही अष्टविनायक रियलिटीज के सभी प्रोजेक्ट्स की सबसे बड़ी यूएसपी उनकी लोकेशन है। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट, नया रायपुर रेलवे स्टेशन और इंटरस्टेट बस टर्मिनल (ISBT) से इन प्रोजेक्ट्स की कनेक्टिविटी बेहद शानदार है। कंपनी का उद्देश्य केवल जमीन बेचना नहीं, बल्कि एक सुरक्षित और खुशहाल कम्युनिटी का निर्माण करना है।

हर कदम पर पूरे परिवार का साथ

हमारा उद्देश्य ग्राहकों को सिर्फ एक जमीन का टुकड़ा देना नहीं, बल्कि एक ऐसा सुरक्षित और हरा-भरा वातावरण देना है जहाँ वे अपने सपनों का आशियाना बना सकें।

फाउंडर मेंबर्स

टीम मेम्बर्स

SHREE DADAJI INFRA | TRIVEDA VENTURES | SHUBH ARAMBH DEVELOPERS | Siddhi Vinayak | FORTUNE INFRA You deserve the best | VINAYAKAA | Shivay Infra & Build | Radhaswami Developers | LAND KING | SKY REAL ESTATE | GLOBAL We Understand Real Estate

Vedanta Greens
A project by Shubh Dream Homes Pvt Ltd

ASHTVINAYAKA REALTIES
CGRERA150322A000647

PREMIUM RESIDENTIAL PLOTS

इस शुभ अवसर पर करें निवेश अष्टविनायक रियल्टीज़ के साथ

850sqft | 1000sqft | 1250sqft | 1500sqft | 2000sqft

MAHESHWARI

RERA NO. - PCGRERA130326002056
Website - www.rera.cgstate.gov.in

छछानपैरी, पुराना धमतरी रोड, रायपुर

8516003000

Project by
Shubh Dream Homes Pvt. Ltd.

दोनों देशों में युद्धविराम टूटकर अब पूरी तरह बदल चुका है सैन्य संघर्ष में

ईरान के सैन्य ठिकानों पर 7 घंटे तक हुई बमबारी, इधर अमेरिकी बेस पर भी अटैक

ईरान और अमेरिका के बीच 60 दिनों का युद्धविराम बीच में ही टूटकर अब पूरी तरह सैन्य संघर्ष में बदल चुका है। अमेरिका ने मंगलवार देर रात सात घंटे तक ईरान के ठिकानों पर बमबारी की। होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों, नौसैनिक संसाधनों और कोस्टल डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया गया। ईरान ने भी पलटवार करते हुए बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं।

मिडिल ईस्ट में फिर छिड़ी जोरदार जंग, होर्मुज में भी बिगड़े हालात

अमेरिका ने होर्मुज में ईरानी बंदरगाहों पर लगाई नाकाबंदी

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन/तेहरान

ईरान के सरकारी मीडिया ने भी अमेरिकी हमले की पुष्टि की है। उसके अनुसार दक्षिणी शहर अहवाज में मंगलवार को कई इलाकों में तेज धमाके की आवाज सुनी गई। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित केशम द्वीप पर भी कई विस्फोटों की खबर सामने आई है। इससे पहले भी बंदर अब्बास और किश द्वीप के आसपास इसी तरह के धमाकों की सूचना मिलती रही है, जिससे साफ है कि दक्षिणी ईरान के तटीय इलाके लगातार अमेरिका के निशाने पर बने हुए हैं। उधर, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने जवाबी अभियान शुरू करते हुए बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। आईआरजीसी ने बहरीन के अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बेस और जॉर्डन के अजराक एयरबेस को निशाना बनाने का भी दावा किया।

दोनों देशों ने दी धमकी

इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेहरान समझौते के लिए आगे नहीं आया, तो अगले हफ्ते बिजलीघरों और पुलों को भी निशाना बनाया जाएगा। दूसरी ओर, ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकेगा और होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी रणनीति जारी रखेगा। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे कमर्शियल जहाजों पर ईरान की ओर से हो रहे हमलों के जवाब में उसने ईरानी बंदरगाहों पर अपनी नाकाबंदी दोबारा बढ़ा दी है। इस फैसले के साथ ही क्षेत्र में एक बार फिर पूरे पैमाने पर युद्ध छिड़ने की आशंकाएं तेज हो गई हैं।

तेल की कीमतों पर पड़ सकता है असर

अमेरिका ने पहले भी अप्रैल के मध्य में इसी तरह की नाकाबंदी लागू की थी, जिसे जून के मध्य में एक अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर के बाद हटा लिया गया था। लेकिन बीते कुछ दिनों में जहाजों पर हुए हमलों और लगातार बिगड़ते हालात के बीच यह समझौता अब लगभग बेअसर होता दिख रहा है। इस बीच वैश्विक बाजारों में भी हलचल देखी जा रही है और तेल की कीमतों पर इसका सीधा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

विधायक मित्रा ने छोड़ा ममता का साथ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सीनियर लीडर मदन मित्रा ने बुधवार को ममता बनर्जी का साथ छोड़ दिया। वे ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट में शामिल हो गए हैं। हालांकि, उन्होंने विधायक पद नहीं छोड़ा है। मित्रा के तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट में शामिल होने का फैसला ऐसे समय में सामने आया है, जब उनके ऊपर ईडी का शिकंजा कस रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईडी ने मदन मित्रा की पत्नी और उनके दो बेटों को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला म्युनिसिपल भर्ती घोटाले से जुड़ा हुआ है। बुधवार को पार्टी से अलग होने के बाद मदन मित्रा ने बागी विधायक दल के नेता रितब्रत और अन्य नेताओं के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

कार्यालय नगर पंचायत किरोड़ीमलनगर जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक/304/लो.नि.शा./न.पं. / 2026-27 किरोड़ीमलनगर दिनांक 15/07/2026

// मैनुअल पध्दति निविदा सूचना //

नगर पंचायत किरोड़ीमलनगर अंतर्गत निम्न कार्य क्र. 01 से 03 हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत "सक्षम श्रेणी" में पंजीकृत ठेकेदार से कार्य क्रमांक 01 से 03 तक निर्माण कार्य (C.G.P.W.D.Road/Building/S.O.R.,.20.04.2026) दर पर पंजीकृत निविदाकारों से निविदा प्रपत्र "अ" में एवं कार्य क्रमांक 04 व 05 के लिए निविदा प्रप्रत्र "ब" में ऐसे दुकानदार या फर्म जिनका जी.एस.टी नंबर एवं दुकान ट्रेड लायसेंस हो उनसे सीलबंद त्रि-लिफाफे पध्दती में स्पीड पोस्ड / पंजीकृत डाक से (मैनुअल) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का नाम		अनुमानित लागत (रू. लाख में)	तिथि का विवरण
1	जोनल कार्य वार्ड क्र. 01 से 05 तक (वित्तीय वर्ष 2026-27)	कार्य की अधिकतम लागत (0.75 लाख रू. तक प्रस्तुत प्राक्कलन अनुसार) पार्षद / अध्यक्ष / मरम्मत - संधारण / शासन एवं अन्य मद	08.00	निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 06/08/2026 निविदा प्रपत्र जमा हेतु अंतिम तिथि- 10.08. 2026 मय 03.30 बजे तक एवं खोलने की तिथि 11/08/2026 समय 11.00 बजे।
2	जोनल कार्य वार्ड क्र. 06 से 10 तक (वित्तीय वर्ष 2026-27		08.00	
3	जोनल कार्य वार्ड क्र. 11 से 15 तक (वित्तीय वर्ष 2026-27)		08.00	
4	सफाई सामग्री प्रदाय वित्तीय वर्ष 2026-27	निकाय/पार्षद/अध्यक्ष एवं अन्य मद	5.00	
5	मोटर पंप मरम्मत वित्तीय वर्ष 2026-27	मरम्मत संधारण / निकाय	08.00	

नोट :- (1) समस्त नियम एवं शर्ते कार्यालयीन समय में कार्यालय में लोक निर्माण शाखा में देखा जा सकता है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से भी देखी जा सकती है। (2) सरल क्र. 04 एवं 05 के लिए सामग्री सूची कार्यालय से प्रदाय की जावेगीं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत किरोड़ीमलनगर

Nava Raipur Atal Nagar Vikas Pradhikaran

Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Atal Nagar, Raipur- 492 002, Chhattisgarh.
Tel No: +91 771 2512500; Fax No.: +91 771 2512400. Website: www.navaraipuratalnagar.com

Notice Inviting Tender Nava Raipur Atal Nagar, Dated: 13/07/2026

Online Tenders are invited for "Allotment of land for Development of Nursing Home and Pharmaceutical Retail Shop project at Sector 32 & 33 in Nava Raipur Atal Nagar" Details of the projects are as below:

S. No.	System Tender No.	Notice Inviting Tender No.	Location of Project	Plot Area (In Sq.mt.) approx.	Reserved Land Premium (INR/Sq.mt.)	EMD (INR. Lakhs)
1	194514	5302/R-13/PRJ/ NRANVP/2026	Nursing Home/Health Facility Plot-LI/S33/H2, Sector 33	4,346.196 (1.07 acre)	2,475.00	11.00
2	194515	5303/R-04/PRJ/ NRANVP/2026	Nursing Home/Health Facility (2nd Call) Plot-LI/S33/H3b, Sector 33	5,286.324 (1.30 acre)	2,475.00	14.00
3	194516	5304/R-02/PRJ/ NRANVP/2026	Pharmaceutical Retail Shop & Residence (2nd call) Plot-M1 Sector 32	122.5002 (0.03 acre)	10,100.00	1.50
4	194517	5305/R-02/PRJ/ NRANVP/2026	Pharmaceutical Retail Shop & Residence (2nd call) Plot-M2 Sector 32	122.5002 (0.03 acre)	10,100.00	1.50
5	194518	5306/R-02/PRJ/ NRANVP/2026	Pharmaceutical Retail Shop & Residence (2nd call) Plot-M3 Sector 32	122.5002 (0.03 acre)	10,100.00	1.50
6	194519	5307/R-02/PRJ/ NRANVP/2026	Pharmaceutical Retail Shop & Residence (2nd call) Plot-M4 Sector 32	122.5002 (0.03 acre)	10,100.00	1.50

Tenderers shall download tender from e-Procurement website. The tender processing fee is INR. 5,900/- only (Including GST) per tender.
Date and time of pre-bid meeting at 12:00 PM on 27th July 2026
Last Date for Online submission of Tender up to 03:00 PM on or before 17th August 2026
Last Date for Hard copy Submission of Technical Bid up to 03:00 PM on or before 19th August 2026
Opening of Technical Bid after 03.30 PM on 19th August 2026
The details of tender and terms & conditions are available on the e-Procurement website https://eproc.cgstate.gov.in

Any amendment/modification in the tender documents, will only be uploaded on the e-Procurement website and shall not be published in any newspaper.

Note: If the date of Hard copy submission falls on public holiday, then the next working day shall be considered.

(Approved by CEO)

Manager (Estate)
NRANVP, Nava Raipur Atal Nagar

S.48464

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 1722/ न.पा.नि. / 2026 रायगढ़ दिनाँक 15/07/26

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि.क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	195478	रायगढ़ स्टेडियम में हाई मास्ट लाईट स्थापना कार्य।	189.15	06.08.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता न.पा.नि., रायगढ़

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट के डेटा में सेंधमारी!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट के डेटा में साइबर अपराधियों के एक गिरोह ने सेंध लगा दी है। इसमें प्लांट के कुछ फैसिलिटी के कुछ हिस्सों के कथित ब्लूप्रिंट और सप्लायर की जानकारी शामिल हैं। ये सेंध साइबर अपराधी गिरोह वर्ल्ड लीक्स ने लगाई है। उन्होंने इन जानकारियों को डार्क वेब पर एक बड़ा कलेक्शन पोस्ट किया है। साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि यह जानकारी उन्हें रिलायंस ग्रुप से मिली है।

रिलायंस ने कही ये बात- अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने रॉयटर्स को एक बयान में बताया कि थर्ड पार्टी भारतीय डेटा सेंटर सर्विस प्रोवाइडर योटा के सर्वर पर मौजूद उसके डेटा में आंशिक सेंध लगी है और सरकार को इस घटना के बारे में सूचना दे दी गई है। हालांकि रिलायंस ने यह नहीं बताया कि किस डेटा में सेंध लगी है। न्यूक्लियर थ्रेट इनिशिएटिव के सीनियर डायरेक्टर निकोलस रोथ ने कहा कि डेटा में लगी यह सेंध प्लांट की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। यह संस्था दुनिया भर के सरकारों राय देती है और न्यूक्लियर सुरक्षा के मामले में देशों की तैयारियों का आकलन भी करती है।

पावर प्लांट के डेटा में सेंधमारी

रायटर्स के मुताबिक, वर्ल्ड लीक्स ने डार्क वेब पर कुडनकुलम न्यूक्लियर प्लांट से जुड़ी फाइलों का एक बड़ा कलेक्शन पोस्ट किया है। तमिलनाडु के कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट को देश के सात न्यूक्लियर प्लांट में सबसे बड़ा माना जाता है। हालांकि अब तक यह स्थिति साफ नहीं हो सकी है कि यह भारत के लिए यह डेटा कितना अहम है। लेकिन माना जा रहा कि यह प्लांट की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट प्रथम निविदा सूचना

दिनांक 13/07/2026

नगर पालिक निगम बिलासपुर के ज़ोन क्र. 08 अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा दिनांक 06.08.2026 तक आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	NIT	सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि
1	07/01	195030	जोन क्र. 08 अंतर्गत वार्ड क्र. 59 से 63 तक विभिन्न स्थानों पर सी.सी. रोड/नाली निर्माण एवं मरम्मत कार्य।	20.80	16,000.00
2	07/02	195031	जोन क्र. 08 अंतर्गत वार्ड क्र. 64 से 68 तक विभिन्न स्थानों पर सी.सी. रोड/नाली निर्माण एवं मरम्मत कार्य।	20.80	16,000.00

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से दिनांक 16.07.2026 संध्या 05:30 बजे के पश्चात डाउनलोड की जा सकती है।

Green City, Clean City, Dream City.

कार्यपालन अभियंता, जोन क्र.08
न.पा.नि., बिलासपुर (छ.ग.)

पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक न. 4, कोरबा, गोपालपुर

दिनांक 15.07.2026

प्रवेश सूचना

इस विद्यालय में निम्नानुसार रिक्त स्थानों के लिए दिनांक 16.07.2026 से दिनांक 22.07.2026 तक सुबह 10.00 बजे से सायं 1 बजे तक विद्यालय से आवेदन प्राप्त कर पंजीयन कर सकते है:

स.क्र.	कक्षा	रिक्तियां	रिमार्क
1	X, XII (Sci), Xii(Comm.)	19, 05, 12 क्रमश:	केवल केंद्र सरकार के कर्मचारियों के पाल्यो हेतु
2	XI (Commerce)	08	--

संपर्क सूत्र : 9439566278 (श्री दिनेश कुमार प्रजापति) **प्राचार्य**

कार्यालय नगर पालिका परिषद् आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.)
anagarpalika3@gmail.com

क्र./960 / न.पा./ लो.नि.वि. / 2026-27 **ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना** आरंग, दिनांक 15.07.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य की ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेंडर नम्बर	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाख में)	आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	195530	वार्ड क्र. 01 से 09 तक लघुनिर्माण, मरम्मत संधारण, ट्यूबवेल खनन एवं पाईप लाईन विस्तार तथा विद्युत विस्तार एवं संधारण कार्य (PWD ROAD SOR 20.06.2026, BUILDING SOR 10.06.2026, PHE SOR 2020 तथा ELECTRIC SOR 10.06.2026)	18.00	05.08.2026
2	195531	वार्ड क्र. 10 से 17 तक लघुनिर्माण, मरम्मत संधारण, ट्यूबवेल खनन एवं पाईप लाईन विस्तार तथा विद्युत विस्तार एवं संधारण कार्य (PWD ROAD SOR 20.06.2026, BUILDING SOR 10.06.2026, PHE SOR 2020 तथा ELECTRIC SOR 10.06.2026)	18.00	05.08.2026
3	195534	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in Municipal Council Arang under SBM 2.0 (2nd Call)	573.48	31.07.2026

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति तथा निविदा दस्तावेज के संबंध में आवश्यक जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद आरंग

राशिफल

मेष — मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

मिथुन — भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह — नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कन्या — धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

धनु — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ — कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

मीन — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

6 साल से जेल में बंद खालिद को राहत

नई दिल्ली। दिल्ली दंगा मामले में आरोपी उमर खालिद को राहत देते हुए कड़कड़डूमा कोर्ट ने उन्हें सप्ताह में दो बार परिवार से वीडियो कॉल (ई-मुलाकात) की अनुमति दे दी है। इससे पहले उनकी यह सुविधा घटाकर एक बार कर दी गई थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी की अदालत ने यह आदेश खालिद की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। अदालत ने कहा कि खालिद पिछले 6 सालों से सप्ताह में दो बार ई-मुलाकात की सुविधा ले रहा था और इस दौरान उसने जेल के किसी नियम का उल्लंघन नहीं किया।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर-495009 (छग) भारत, दूर. +91-7752-260342,

क्र. 574/MSDF/Academic/26 प्रवेश सूचना (2026-27) बिलासपुर, दिनांक- 15.07.2026

सेल्फ फाइनेंस स्कीम (SFS) के तहत M.Sc. डिजिटल फॉरेंसिक और इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी में प्रवेश

अंतर्विषयक शिक्षा एवं अनुसंधान विद्यापीठ (IER) के फ़ोरेंसिक विज्ञान विभाग में, सेल्फ़ फ़ाइनेंस स्कीम (SFS) के तहत M.Sc. डिजिटल फोरेंसिक और इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी में प्रवेश के लिए निर्धारित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं-

विभाग	उपलब्ध सीट	अवधि	शुल्क
फ़ोरेंसिक विज्ञान	25	2 Years (4 Semesters)	Rs. 60000 per Semester

कृपया पात्रता की शर्तों और आवेदन फ़ॉर्म के लिए वेबसाइट देखें।
जो उम्मीदवार योग्यता की शर्तें पूरी करते हैं, वे यूनिवर्सिटी की वेबसाइट https://ggu.ac.in पर दी गई जानकारी के अनुसार प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख 10/08/2026 है। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि आवेदन पत्र भरने से पहले यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर मौजूद M.Sc. प्रवेश से जुड़ी विस्तृत सूचना को जरूर देख लें।

सहायता: 07752-260342, 9406430720 **कुलसचिव**

शब्द पहेली - 6288

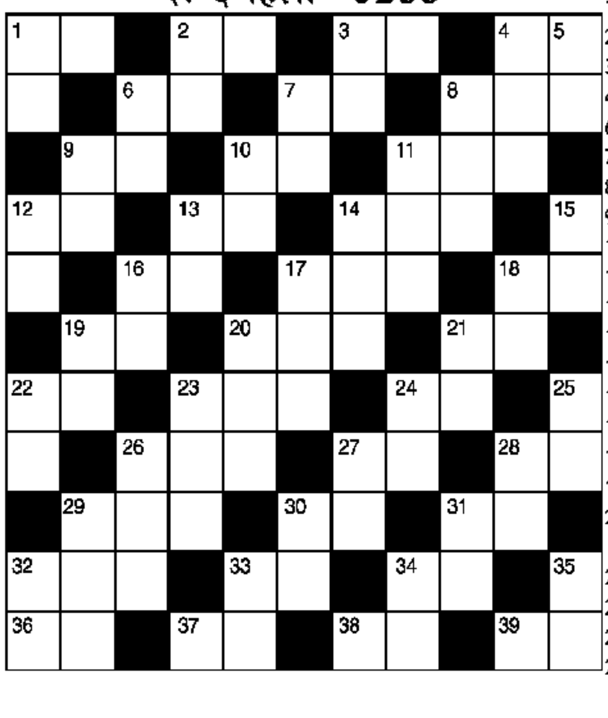

बाएँ से दाएँ
1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे
1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली- 6287 का हल

सूडोकु नवताल - 6298

★★★★★ कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6297 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

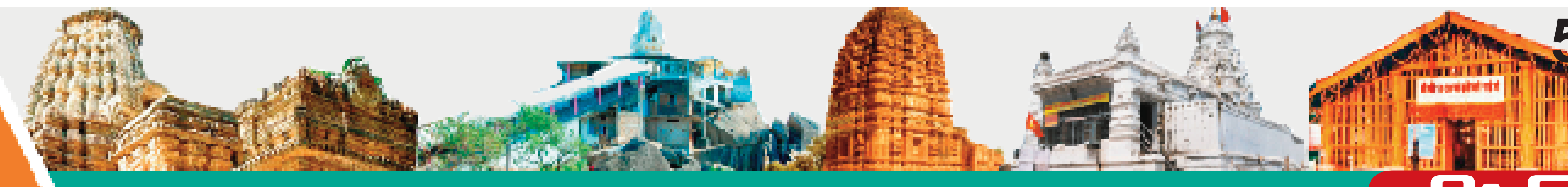

स्वास्थ्य विभाग में अमानक दवाओं पर उठे सवाल, मंत्री ने कहा- प्रतिबंधित दवा नहीं खरीदी गई

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

विधानसभा में गुजरात की यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड की अमानक दवाइयां छत्तीसगढ़ में खरीदी पर सवाल उठाए गए। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा, जो दवाइयां गुजरात में बैन हैं, उसे छत्तीसगढ़ में बैन क्यों नहीं किया गया। आखिरकार गुजरात की परिपाटी से अलग छत्तीसगढ़ में कैसे खरीदी हुई। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा, एहतियात के तौर पर दवाइयां छत्तीसगढ़ में बैन कर दी गई हैं। मंत्री ने कहा प्री-परचेंसिंग टेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है। दवा सप्लाई के बाद उसका टेस्ट लैब में कराते हैं। राज्य में कोई भी प्रतिबंधित दवाएं नहीं खरीदी गईं।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा, यह सत्य है कि गुजरात मेडिकल सर्विसेस कॉपेरिशन लिमिटेड की दवा निर्माता कंपनी मेसर्स यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड के औषधि एस्पिरिन टैबलेट्स आइपी 150 मिलीग्राम एवं एस्पिरिन गैस्ट्रो-रजिस्टेन्ट टैबलेट्स आइपी 75 मिलीग्राम को गुणवत्ता मानकों पर विफल होने के कारण ब्लैकलिस्ट की गई थी। 25 मार्च को फर्म यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड सीजीएमएससी लिमिटेड को सूचना प्राप्त हुई थी।

कांग्रेस ने लगाया गुजरात में प्रतिबंधित दवा खरीदने का आरोप

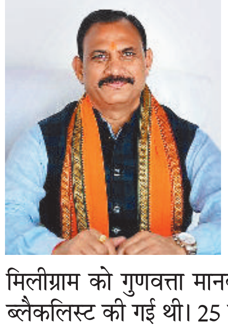

प्रश्नकाल में विधायक अटल श्रीवास्तव ने कहा, छत्तीसगढ़ में मरीजों को बिना क्वॉलिटी की दवा दी जा रही है। क्या यहां प्रीटेस्ट नहीं करा रहे हैं? स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, सीजीएमएससी के नियम पहले से बने हुए हैं। प्री टेस्ट नहीं कराते हैं, लेकिन जब दवाई आ जाती हैं, तब हम अपनी लैब में टेस्ट कराते हैं।

एस्पिरिन की अनकोटेड टेबलेट आपूर्ति के आदेश

मंत्री ने कहा कि यह सत्य नहीं है कि छत्तीसगढ़ में इसी अमानक औषधि के क्रय एवं आपूर्ति आदेश को त्वरित स्वीकृति प्रदान की गई थी। सत्य तो ये है कि सीजीएमएससी लिमिटेड ने फर्म यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड को औषधि एस्पिरिन टैबलट्स आइपी 75 मिलीग्राम (अनकोटेड टैबलेट) की आपूर्ति के लिए क्रय आदेश जारी किया था, जो कि इंडियन फॉर्माकोपिया 2022 अनुसार, गुजरात मेडिकल सर्विसेस कॉपेरिश लिमिटेड द्वारा प्रतिबंधित किए गए औषधि से अलग है। विधायक धरमलाल कौशिक ने सरकारी मेडिकल संस्थाओं में आउटसोर्सिंग के जरिए भर्ती करने के नियमों का मामला उठाया। उन्होंने पूछा कि क्या आउटसोर्सिंग के जरिए जो लोग स्वास्थ्य संस्थानों में भर्ती किए जाते हैं, उनका पुलिस वेरिफिकेशन कराने का क्या नियम है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, सुरक्षा और सफाई किए जा रहे भर्ती का पुलिस वेरिफिकेशन करवा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यदि नियमों का उल्लंघन हुआ होगा तो संबंधित अधिकारी और एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

खबर संक्षेप

राजधानी में खंड वर्षा, कोटा 30% कम

रायपुर। कई दिनों के बाद बुधवार को राजधानी में हल्की बारिश हुई। सुबह से हल्के बादल छाए रहने के बाद हुई बारिश भी पूरे शहर में नहीं हुई। खंड वर्षा की स्थिति शहर में रही। हल्की बारिश के बाद चिपचिपी और उमस भरी गर्मी ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी। रायपुर का तापमान बुधवार को सामान्य से 3.9 डिग्री अधिक 34.8 डिग्री दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.5 डिग्री अधिक 26.1 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। प्रदेश में सब डिविजनल वर्षा 30% कम है। अर्थात 15 जुलाई तक जितनी बारिश हो जानी थी, उससे 30% कम है। प्रदेश के अन्य हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, लेकिन तेज वर्षा जैसी कोई स्थिति निर्मित नहीं हुई। सबसे गर्म 35.5 डिग्री के साथ राजनांदगांव रहा। सबसे कम न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री बिलासपुर में दर्ज किया गया।

नियमितीकरण, संविलियन की मांग, विद्या मितान आज देंगे धरना

रायपुर। प्रदेश के शासकीय स्कूलों में वर्षों से सेवाएं दे रहे विद्या मितान अपनी लंबित मांगों को लेकर एक बार फिर सड़क पर उतरेंगे। 16 जुलाई को प्रदेशभर के करीब 1,000 से अधिक विद्या मितान नियमितीकरण और संविलन की मांग को लेकर धरना देंगे। तूता स्थित धरना स्थल पर विरोध प्रदर्शन के बाद वे वहां से विधानसभा घेराव के लिए कूच करेंगे। राज्य अतिथि शिक्षक संघ के प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष राज यादव ने बताया कि लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे विद्या मितान अब आर-पार के मूड में हैं। उन्होंने कहा, हम वर्षों से बेहद कम मानदेय पर पूरी निष्ठा के साथ प्रदेश के बच्चों का भविष्य संवार रहे हैं। लेकिन आज हमारा खुद का भविष्य अंधकार में है। राज्य सरकार को हमारी सुध लेनी होगी।

भगवान जगन्नाथ रथयात्रा आज

रायपुर। विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल धनेली द्वारा 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ रथयात्रा का आयोजन किया जाएगा। रथयात्रा शाम 4 बजे गांधी चौक स्थित शिव मंदिर से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करते हुए शीतला पारा, पहाड़ीपारा, गुड़ी चौक एवं बस्ती क्षेत्र से होकर पुनः शिव मंदिर गांधी चौक में संपन्न होगी। यह जानकारी बजरंग दल धर्मवीर प्रखंड संयोजक लोकेश साहू ने देते हुए बताया कि रथयात्रा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आयोजकों ने सिलतरा थाना प्रभारी को आवेदन सौंपकर पर्याप्त पुलिस सुरक्षा बल उपलब्ध कराने की मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

प्राकृतिक आपदा के तीन मामलों में 12 लाख सहायता स्वीकृत

रायपुर। जशपुर जिले में प्राकृतिक आपदाओं से हुई जनहानि के तीन मामलों में प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करते हुए जिला प्रशासन ने राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के तहत कुल 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। अपर कलेक्टर प्रदीप साहू से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कांसाबेल तहसील के ग्राम नकबार निवासी सुखयारो बाई की कुएं में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में उनकी माता श्रीबाई को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

ध्यानाकर्षण में बस्तर में बाघों के शिकार और तस्करी का मामला उठा

इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघों की तस्करी और मौत, मंत्री ने कहा- दोषियों पर कड़ी कार्रवाई

हरिभूमिन्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघों के शिकार का मामला उठाया। उन्होंने वन विभाग की लापरवाही से बाघों के लगातार शिकार होने का आरोप लगाया। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा, छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या बढ़ रही है, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ध्यानाकर्षण सूचना के माध्यम से नेता प्रतिपक्ष ने बाघों के शिकार मामले में पूछा कि गिरफ्तार आईबी के जवान का नाम सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? क्या इसमें कोई राजनीतिक सिंडीकेट है? अलर्ट जारी हुआ था फिर भी लापरवाही बरती गई। उन्होंने कहा, 30 महीने में 6 बाघ की मौत हुई। छत्तीसगढ़ में बाघों की चोरी हो रही है और कैमरे बंद हो जा रहे। वन मंत्री केदार कश्यप ने महंत के सवालों का जवाब देते हुए कहा, किसी को बचाने की कोशिश नहीं की गई है, न ही किसी का नाम छिपाया गया। वन्य जीवों की रक्षा के लिए वन विभाग सक्रिय है। कोई कैमरे में खराबी नहीं थी, बंद नहीं थे। 126 कैमरे लगाए गए हैं।

कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने वन मंत्री से पूछा, इंद्रावती टाइगर रिजर्व में कितने बाघ हैं? इंद्रावती टाइगर रिजर्व का वार्षिक बजट कितना होता है? वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा, 2022 की जानकारी के अनुसार इंद्रावती टाइगर रिजर्व में 5 बाघों की पुष्टि हुई है, 6 बाघों की खाल मिली हैं। जो बाघ की खाल मिली हैं, वो इंद्रावती के ही हैं, यह पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा, इंद्रावती टाइगर रिजर्व में 10 करोड़ प्रति वर्ष व्यय करते हैं।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा, इन्द्रावती टाइगर रिजर्व में पांच माह पूर्व तीन बाघों के शिकार की घटना हुई है। एक प्रकरण दंतेवाड़ा वनमण्डल में 17 मार्च को दर्ज किया गया है, जिसमें आरोपी से एक बाघ की खाल जब्त की गई थी। प्रकरण में 14 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। 29 जून को मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति गढ़चिरौली से बाघ की खाल लेकर छत्तीसगढ़ की ओर आ रहे हैं। एंटी-पोचिंग टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए कांकेर जिले में बांदे पखांजूर मार्ग पर दो संदिग्धों बियेश्वर गेड़ाम ग्राम अहेरी एवं बाबूराव मडावी, ग्राम गडअहेरी, जिला गढ़चिरौली के पास से बाघ की 2 खालें, 13 मूंछें जब्त की। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने महाराष्ट्र पुलिस विभाग से संबद्ध होना बताया। मंत्री ने बताया, बियेश्वर गेड़ाम महाराष्ट्र पुलिस के इंटेलिजेंस सेल (इंटसेल), विशेष शाखा गढ़चिरौली में पुलिस सिपाही है तथा बाबूराव मंडावी गढ़चिरौली पुलिस के अंतर्गत गोपनीय मुखबिर है। न्यायालय भानुप्रतापपुर के समक्ष पेश कर जेल दाखिल कराया गया है।

इंद्रावती नदी के किनारे छिपाकर रखी खाल

मंत्री ने बताया, वन विभाग की टीम केवल प्राथमिक जब्ती पर नहीं रुकी। पकड़े गए तस्करों से कड़ाई से पूछताछ के आधार पर छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमा पर इन्द्रावती नदी के किनारे स्थित छत्तीसगढ़ राज्य के नेतीवाड़ा गांव में एक व्यापक और सघन सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान आरोपियों के घरों से शिकार में इस्तेमाल होने वाले फंदे, चाकू, 12 नाखून और 4 कैनाइन दांत बरामद किए गए। इसी अभियान की निरंतरता में, इन्द्रावती नदी के किनारे छुपाकर रखी गई एक तीसरी बाघ की खाल भी जब्त कर ली गई।

छग टाइगर फाउंडेशन सोसाइटी का गठन

मंत्री केदार कश्यप ने कहा, प्रदेश में बाघों के संरक्षण के लिए कैबिनेट की बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार छत्तीसगढ़ टाइगर फाउण्डेशन सोसायटी का गठन किया गया है। वाईल्ड लाइफ क्राईम कंट्रोल ब्यूरो के द्वारा जारी निर्देशों का विभाग के द्वारा कड़ाई से पालन किया जाता है।

नकटी में बुलडोजर कार्रवाई पर सदन में बवाल, स्थगन प्रस्ताव अग्राह्य, गर्भगृह में पहुंचे कांग्रेस विधायक निलंबित

ग्राम नकटी में बुलडोजर कार्रवाई के मुद्दे पर विधानसभा में पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर नारेबाजी हुई। मुद्दे पर विपक्ष के स्थगन का प्रस्ताव पेश किया गया, जिसे आसंदी ने अग्राह्य कर दिया। आसंदी ने विपक्ष को नकटी में तोड़फोड़ विधायक कॉलोनी के लिए किए जाने का पत्र पटल पर रखने की भी अनुमति नहीं दी। विपक्षी इस पर गर्भगृह में पहुंचकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने के साथ स्वमेव निलंबित हो गए।

■ नकटी मामले में राजस्व मंत्री ने कहा, शिकायत के बाद हटाया गया अतिक्रमण

शून्यकाल में नकटी ग्राम में हुई तोड़फोड़ मामले को लेकर कांग्रेस ने स्थगन प्रस्ताव लाया। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत द्वारा लाए गए स्थगन प्रस्ताव में कहा गया कि नकटी गांव में जिन 85 घरों को तोड़ा गया, उनमें से कई घर पीएम आवास से बने थे। बिजली, पानी की सुविधा थी। उन्हें जो वैकल्पिक घर दिया जा रहा है, वह बहुत छोटा है। उन्होंने नकटी में हुई तोड़फोड़ को अमानवीय बताते हुए इस पर सदन में चर्चा करने की मांग की। कांग्रेस विधायकों ने कहा, उजाड़ने से पहले पुनर्वास की व्यवस्था होनी चाहिए। सांसद के आश्वासन के बाद भी बुलडोजर की कार्रवाई निंदनीय है। लखेश्वर बघेल ने कहा, विधायक कॉलोनी के लिए गरीबों के मकान तोड़ा जाना उचित नहीं है। अजय चंद्राकर ने इस पर कहा, नकटी में विधायक कॉलोनी निर्माण को लेकर यदि दस्तावेज है, तो उसे सदन के पटल पर रखा जाना चाहिए।

मंत्री ने कहा- नियमानुसार तोड़ा गया

नकटी गांव की चर्चा पर राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने सदन में स्पष्ट किया कि पूर्णतः वैधानिक कार्रवाई है। अतिक्रमण की शिकायत की गई थी, जिसकी जांच अतिरिक्त तहसीलदार ने की थी। अवैध कब्जे पाए जाने पर उसे हटाने का आदेश 2025 में पारित किया गया। उसके बाद 28 जून को बेदखली की कार्रवाई की गई। मंत्री ने बताया कि अतिक्रमण कब्जाधारियों को हटाने से पहले उन्हें अपने सामान हटाने का समय दिया गया। प्रशासन की ओर से सेक्टर 30, नवा रायपुर में प्रभावितों को फ्लैट दिया गया। अतिक्रमणकारियों का पुनर्वास भी किया गया है।

विकास गर्ग अहम कड़ी, उससे पूछताछ करने ईडी को मिली 10 दिन की रिमांड

कोलकाता के हवाला कारोबारी के जरिए दुबई भेजा जा रहा था सट्टे का पैसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

महादेव सट्टा एप और स्काई एक्सचेंज से जुड़े कारोबारी विकास गर्ग को दिल्ली से गिरफ्तार कर रायपुर लाने के बाद ईडी ने उसे बुधवार को ईडी की विशेष अदालत में पेश किया। जांच एजेंसी के आवेदन पर उसे पूछताछ करने 10 दिन की पुलिस रिमांड दी है। विकास को 24 जुलाई को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

रिमांड पर लेने के बाद ईडी अब आरोपी से ऑनलाइन महादेव बैटिंग एप से जुड़े पैसों के निवेश, हवाला नेटवर्क, शेल कंपनियों, विदेशी लेन-देन और कारपोरेट अधिग्रहण में इस्तेमाल हुई रकम को लेकर पूछताछ करेगी। जांच एजेंसी के अनुसार विकास गर्ग इस पूरे वित्तीय नेटवर्क की अहम कड़ी है। गिरफ्तारी से कुछ दिन पूर्व ईडी ने विकास तथा उनके परिवार और उससे जुड़ी कंपनियों की 940.77 करोड़ रुपए मूल्य की चल और अचल संपत्तियां कुर्क की है।

टिबरेवाल के माध्यम से पहुंचाई जाती थी रकम

विकास का काम सट्टे की ब्लैक मनी को व्हाइट मनी में कन्वर्ट कर दुबई तक पहुंचाए जाने का था। उसके पास सट्टे की रकम कोलकाता के हवाला कारोबारी हरीश टिबरेवाल के माध्यम से पहुंचाई जाती थी। विकास सट्टे की रकम को शेयर बाजार तथा अन्य तरीके से निवेश कर व्हाइट करता था। इसके बाद रकम चैनल के माध्यम से दुबई में बैठे सौरभ चंद्राकर तक पहुंचाई जाती थी। प्रमोटरों ने स्काई एक्सचेंज नामक आनलाइन बेटिंग प्लेटफार्म का भी इस्तेमाल किया।

पीएमजीएसवाई की सड़कों के संधारण पर उठे सवाल, डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा- कैबिनेट के सामने रखेंगे नया प्रस्ताव

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों के संधारण को लेकर लंबी चर्चा हुई। भाजपा विधायक प्रबोध मिंज के सवालों से शुरू हुई चर्चा के बाद सवालों की झड़ी लग गई। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा, 5 साल की मेंटेनेंस अवधि खत्म होने के बाद भी सड़कों की नियमित मरम्मत होती रहे, तो उनकी उम्र बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि विभाग ने इसके लिए नया प्रस्ताव बनाया है, जिसे कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। सदन में 10 विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्र की सड़कों का मामला उठाया, जिस पर डिप्टी सीएम ने सभी के जवाब दिए। इस पर अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने तारीफ भी की।

प्रश्नकाल में प्रबोध मिंज ने अपने क्षेत्र की सड़कों की स्थिति, मरम्मत और बजट को लेकर पूछा कि लुंड्रा विधानसभा में पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत कितनी सड़कें बनीं, उनकी वर्तमान स्थिति क्या है और मरम्मत के लिए कितना खर्च किया गया है? पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने जवाब में कहा, लुंड्रा विधानसभा क्षेत्र में पीएमजीएसवाई के विभिन्न चरणों को मिलाकर कुल 171 सड़कें हैं। 87 सड़कें ऐसी हैं जिनका 5 साल का रखरखाव चल रहा है। 24 सड़कें निर्माणाधीन हैं और 28 नई सड़कें 5 साल की अवधि के भीतर हैं। 1 सड़क लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित की गई है। 31 सड़कें मरम्मत योग्य हैं। प्रबोध मिंज ने पूछा कि पीएमजीएसवाई की सड़क की तय उम्र कितनी होती है। विजय शर्मा ने कहा कि सड़क बनने के बाद 5 साल तक ठेकेदार ही उसका रखरखाव करता है। इसकी राशि निर्माण लागत में पहले से शामिल रहती है। जरूरत के अनुसार उसी राशि से मरम्मत कराई जाती है, अलग से बजट नहीं दिया जाता।

डिप्टी सीएम शर्मा की अध्यक्ष रमन सिंह ने की तारीफ

चिंता भी सही, जवाब भी अच्छा- रमन

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, सड़कों को लेकर कई विधायकों ने सवाल उठाए हैं और उनकी चिंता वाजिब है। उन्होंने मंत्री विजय शर्मा की तारीफ करते हुए कहा, उन्होंने सभी सवालों का अच्छा जवाब दिया और भविष्य में सभी मुद्दों को समाहित करने की बात भी कही। वहीं नेता प्रतिपक्ष ने भी कहा, इतने विधायक सवाल पूछ चुके हैं कि अब यह राष्ट्रीय स्तर का मुद्दा बन गया है, इसलिए मंत्री को संभलकर जवाब देना चाहिए।

प्रबोध मिंज ने कहा, पीएमजीएसवाई में केंद्र सरकार 60 फीसदी और राज्य सरकार 40 फीसदी राशि देती है, लेकिन 5 साल की अवधि खत्म होने के बाद नियमित मरम्मत के लिए अलग बजट का प्रावधान नहीं है। यही वजह है कि कई सड़कें जर्जर हो गई हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ उनके क्षेत्र में ही 31 सड़कें मरम्मत योग्य हैं, जबकि बहुत कम सड़कों के लिए ही बजट का प्रावधान किया गया है। मंत्री विजय शर्मा ने माना कि 5 साल की मेंटेनेंस अवधि खत्म होने के बाद भी सड़कों की नियमित मरम्मत होती रहे, तो उनकी उम्र बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि विभाग ने इसके लिए नया प्रस्ताव तैयार किया है, जिसे वित्त विभाग और फिर कैबिनेट के सामने रखा जाएगा।

प्रबोध मिंज ने कहा, सड़कें 12 टन भार के हिसाब से बनाई जाती हैं, लेकिन उन पर 50 टन तक के भारी वाहन चल रहे हैं। उन्होंने भविष्य में 20-25 टन क्षमता के हिसाब से सड़कें बनाने का सुझाव दिया। मंत्री ने कहा, इससे लागत बढ़ेगी, लेकिन यह अच्छा सुझाव है और इसे कैबिनेट में रखा जाएगा। विधायक धर्मजीत सिंह ने पूछा कि प्रदेश की जर्जर पीएमजीएसवाई सड़कों का सर्वे कराकर एकमुश्त मरम्मत कराने की योजना बनेगी या नहीं। एक अन्य विधायक ने पूछा कि प्रदेश में कितनी सड़कें मरम्मत योग्य हैं और उनकी जांच कराई जाएगी या नहीं। भावना बोहरा समेत 7-8 अन्य विधायकों ने भी पीएम ग्राम सड़क योजना से जुड़े सवाल उठाए।

एआई तकनीक से होगी सड़कों की जांच

विजय शर्मा ने बताया कि विभाग ने सड़कों की जांच के लिए एक एआई आधारित तकनीक तैयार कराई है। उन्होंने कहा, बाइक या पैदल चलते हुए सड़क का वीडियो बनाया जाएगा और एआई यह बताएगा कि सड़क में कितनी दरारें हैं और कितने बड़े गड्ढे हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा, फिलहाल सड़क मरम्मत के लिए केवल 350 करोड़ रुपये का बजट उपलब्ध है। कुछ विधायकों की सड़कों के मामलों को तुरंत दिखवाने का भी आश्वासन दिया।

38 सिविल जजों के पदोन्नति आदेश जारी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रदेश में पदस्थ 38 सिविल जज जूनियर डिवीजन को सिविल जज सीनियर डिवीजन के पद में पदोन्नत किया है। सभी को मार्च, अप्रैल की विभिन्न तिथि से पदोन्नति प्रदान की गई है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल रजनीश श्रीवास्तव द्वारा जारी आदेश में सिविल जज श्रीमती अंजली पांडेय, श्रीमती अंकिता अग्रवाल, कु दिव्या गोयल, कु ऐश्वर्या दीवान, शैलेश कुमार वशिष्ठ, श्रीमती आफरीन बानो, श्रीमती हरषी अग्रवाल, कु मीनू नंद, श्रीमती प्रज्ञा अग्रवाल, कु स्वर्णा देहरे, श्रीमती काम्या आयर, कु सारिका नंदे, अजय सिंह मीणा, कु रश्मि मिश्रा, शाश्वत दुबे, कु. कोनिका यादव, आशीष कुमार चांदहे, गुरु प्रसाद देवांगन, कु कुमुदिनी गर्ग, कु. अंकिता यदु, कु. उन्नति महिस्वर, सिद्धार्थ आनंद सोनी, कु. तनया ब्राह्मी, कु नीति, मनीष कुमार, कु. साक्षी ध्रुव, पार्थ दुबे, कु. जेनिफ़र लकड़ा, कु. धारिणी राणा, कु. प्रांजलि नेताम, राजेश खलको, अजय लकड़ा, ध्रुवराज ग्वाल, शिवेन्द्र कुमार टेकाम, कुमारी श्वेता ठाकुर, पुनीत तिग्गा, कु. डिपल, प्रवीण कुजूर को सिविल जज सीनियर डिविजन के पद में पदोन्नत किया गया है।

हाईकोर्ट ने शासकीय कर्मचारियों के स्थानांतरण और प्रतिनियुक्ति को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने शासकीय कर्मचारियों के स्थानांतरण और प्रतिनियुक्ति को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है, यदि कोई कर्मचारी किसी अन्य विभाग में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत है, तो उस विभाग को उस पर पूरा प्रशासनिक नियंत्रण प्राप्त होता है। ऐसे में संबंधित विभाग द्वारा किया गया स्थानांतरण आदेश पूरी तरह से वैध है और इसे अधिकार क्षेत्र से बाहर नहीं माना जा सकता। डिवीजन बेंच ने छत्तीसगढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के एक कर्मचारी की रिट अपील को खारिज करते हुए सिंगल बेंच के फैसले को बरकरार रखा है।

याचिकाकर्ता सुरेश मिश्रा मूल रूप से तत्कालीन मध्य प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के कर्मचारी थे। निगम के बंद होने के बाद पुनर्वास नीति के तहत उनकी सेवाएं छत्तीसगढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के अधीन आ गई। पुनर्वास नीति के तहत ही उन्हें महिला एवं बाल विकास विभाग में प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया था, जहां वे एकीकृत बाल विकास परियोजना, राजनांदगांव में सहायक ग्रेड-3 के पद पर कार्यरत थे। इस दौरान 27 फरवरी 2021 को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा उनका तबादला कर दिया गया। सुरेश मिश्रा ने इस तबादला आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में कहा, उनका मूल नियोक्ता छत्तीसगढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन सीआईडीसी है, इसलिए राज्य शासन या महिला एवं बाल विकास विभाग को उन्हें स्थानांतरित करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। उनके अनुसार, केवल सीआईडीसी ही उनका तबादला कर सकता है।

शिक्षकों का फूटा गुस्सा, वेतन विसंगति, क्रमोन्नति सहित 7 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज : रायपुर।

छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक, समग्र शिक्षक फेडरेशन के आव्हान पर प्रदेशभर के सहायक शिक्षकों ने मोदी की गारंटी लागू करने, वेतन विसंगति दूर करने, क्रमोन्नति सहित सात सूत्रीय मांगों को लेकर नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर जमकर प्रदर्शन किया। इस आंदोलन में हजारों की संख्या में शिक्षक अपने हक की आवाज बुलंद करने पहुंचे। धरना प्रदर्शन में शामिल होने आ रहे दूर दराज के सहायक शिक्षकों को पुलिस ने बीच रास्ते में रोक दिया। कुंआकोंडा, कांकेर से बस में आ रहे शिक्षकों को कुरुद से वापस भेज दिया। इस कारण कई शिक्षक आंदोलन में शामिल नहीं हो पाए। धरना स्थल पर खासी गहमागहमी इस दौरान देखने को मिली। फेडरेशन को जिला प्रशासन ने धरना स्थल से विधानसभा घेराव के लिए रैली निकालने की अनुमति नहीं दी। इसीलिए विरोध प्रदर्शन के बाद आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार अभनपुर को अपनी मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपा। मांगें पूरी नहीं होने पर आने वाले दिनों में उग्र प्रदर्शन की चेतावनी दी गई। प्रदेशभर के डेढ़ लाख सहायक शिक्षकों ने मोदी की गारंटी लागू करने टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने, वेतन विसंगति, क्रमोन्नति सहित अन्य मांगों को लेकर शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को प्रांतीय अध्यक्ष रविंद्र कुमार यादव के नेतृत्व में सहायक शिक्षकों ने तूता के धरना स्थल पर अपनी मांगों को लेकर घंटों प्रदर्शन किया। सड़क पर उतरे शिक्षकों की नाराजगी इस बात को लेकर रही कि मोदी की गारंटी के वादे को सरकार ने अब तक पूरा नहीं किया है। प्रांतीय अध्यक्ष रविंद्र कुमार यादव ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा किय आंदोलन शौक नहीं बल्कि शासन-प्रशासन की उदासीनता के कारण उत्पन्न हुई विवशता का परिणाम है। राज्य सरकार को शिक्षकों के संवेदनशील मांगों पर विचार करते हुए अविलंब निर्णय लेना चाहिए। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने कहा है कि उनकी सभी मांगें प्रदेश के विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था और हजारों शिक्षकों के भविष्य से जुड़ी हुई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

देवभोग से पुरी...

भेजेंगे। यह परंपरा आज भी कायम है और इसी परंपरा के कारण देवभोग नाम पड़ा। देवभोग के इस अनोखे मंदिर की आधारशिला 1854 में तात्कालिक मालगुजार रामचंद्र बेहेरा द्वारा रखी गई और बलभद्र बेहरा द्वारा पूर्ण की गई। तब इन्हीं पूरे 84 गावों के लोगों ने श्रमदान करने के साथ ही बेल का गुदा, चिवड़ा, मुर्रा और रेगटा (एक विशेष प्रकार के पत्थर) का चूर्ण पीसकर मंदिर का निर्माण शुरू किया, जो 46 वर्षों की अथक मेहनत के बाद जाकर पूर्ण हुआ। इसके बाद 1901 में पहली बार नेत्रोत्सव के साथ ही भगवान की रथयात्रा देवभोग में निकाली गई। जो आज भी विधि-विधान के साथ लगातार जारी है।

भगवान को देते हैं लगान-

पुराने जमाने में राजा महाराजाओं और अंग्रेज लगान वसूलते थे। मौजूदा समय में सरकारें टैक्स वसूलती हैं। देवभोग में विराजे भगवान जगन्नाथ आज भी उन 84 गांव के लोगों से लगान वसूलते हैं। लगान देने की ये परंपरा 125 साल से निरंतर चली आ रही है। लगान के रूप में चावल और मूंग लिया जाता है। यहां से वसूला गया लगान ओडिशा के पुरी के विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ मंदिर जाता है और फिर उसी सुगंधित चावल और मूंग का भोग पुरी के जगन्नाथ मंदिर में लगाया जाता है। बता दें कि भक्त खुद ही अपने स्वेच्छा से यहां लगान भरने आते हैं। इन पर कोई दबाव नहीं डाला जाता है।

मंदिर की स्थापना की कहानी-

मंदिर की स्थापना की कहानी भी दिलचस्प है। 18वीं शताब्दी में टेमरा गांव के रामचंद्र बेहेरा तीर्थ यात्रा से लौटते वक्त पुरी से भगवान जगन्नाथ की मूर्ति साथ लाए थे। उन्होंने मूर्ति को झराबहाल गांव के एक पेड़ के नीचे स्थापित कर पूजा शुरू की। जब यह बात तत्कालीन जमींदारों तक पहुंची तो उन्होंने मूर्ति की शक्ति की परीक्षा एक सभा में की। बताते हैं कि परिणाम चौंकाने वाले थे, जिसके बाद उन्होंने मंदिर निर्माण का निर्णय लिया। 1854 में मंदिर निर्माण शुरू हुआ और 1901 में जाकर पूर्ण हुआ। तबसे यहां धूमधान से नेत्रोत्सव और रथयात्रा का पर्व मनाया जाता है।

भारत और यूके...

मूल्य (ट्रेड वैल्यू) को कवर करता है। सरकार का मानना है कि इससे भारतीय उत्पादों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी, निर्यात को नई गति मिलेगी, निवेश आकर्षित होगा और दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी पहले से अधिक मज़बूत होगी। सीईटीए को केवल व्यापार समझौता नहीं, बल्कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई व्यापक आर्थिक साझेदारी माना जा रहा है। समझौते के तहत वस्तुओं के साथ-साथ सेवाओं के क्षेत्र में भी भारत को अब तक की सबसे महत्त्वाकांक्षी बाजार पहुँच (मार्केट एक्सेस) में से एक मिलेगी। सरकार का कहना है कि इसका लाभ किसानों, मछुआरों, एमएसएमई, स्टार्टअप, उद्यमियों और महिला उद्यमियों तक पहुँचेगा। साथ ही यह समझौता नवाचार, निवेश, रोज़गार सृजन और टिकाऊ आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा समझौता भी 15 जुलाई से लागू हो गया है। गोयल ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) तथा सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने से हमारे आर्थिक संबंध और अधिक गहरे होंगे। उन्होंने कहा कि सीईटीए से भारतीय किसानों, उद्यमियों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों को नई गति मिलेगी। इसके साथ ही कई प्रमुख क्षेत्रों को ब्रिटेन के बाजार तक अधिक मजबूत पहुंच मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह समझौता प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाओं और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को भी गहरा करेगा तथा कुशल भारतीय प्रतिभाओं की अधिक आवाजाही को बढ़ावा देगा। गोयल ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा समझौते से ब्रिटेन में अस्थायी रूप से काम कर रहे भारतीय पेशेवरों को अमूल्य सहयोग मिलेगा और भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) श्रम-प्रधान उद्योगों में छिपी संभावनाओं के द्वार खोलने वाला है, जिससे देश के 99 प्रतिशत निर्यात को बगैर-शुल्क (जीरो-ड्यूटी) बाजार पहुंच मिलेगी। शाह ने कहा कि बुधवार से लागू होने वाला यह समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना वाले 'विकसित भारत' की कुंजी है।

कृषि उत्पादों को जीरो ड्यूटी का लाभ-

सीईटीए लागू होने के बाद भारत के कृषि उत्पादों को ब्रिटेन में लगभग पूरी तरह जीरो ड्यूटी का लाभ मिलेगा। हालांकि चिकन, पोर्क, अंडा, चावल और चीनी को इस छूट से बाहर रखा गया है। वहीं, प्रोसेस्ड फूड की 97.1 प्रतिशत टैरिफ लाइनों को ड्यूटी-फ्री एक्सेस मिलेगा, जिससे भारतीय खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मत्स्य क्षेत्र को भी इस समझौते से बड़ा लाभ मिलने जा रहा है। झींगा, टूना, तैयार या संरक्षित मछली, स्क्विड, फिश ऑयल और अन्य समुद्री उत्पादों के निर्यात में वृद्धि की संभावना है। सरकार का अनुमान है कि इससे तटीय राज्यों आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में समुद्री उत्पादों के उत्पादन एवं प्रसंस्करण क्लस्टरों को बढ़ावा मिलेगा और मछुआरों की आय बढ़ेगी।

टेक्सटाइल, लेदर, जेम एंड ज्वैलरी-

फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से भारत के टेक्सटाइल, लेदर, जेम एंड ज्वैलरी, जैसे सेक्टर्स को फायदा मिलेगा। बता दें कि भारत के टेक्सटाइल पर 12फीसदी केमिकल्स पर 8 फीसदी, बेस मेटल्स पर 10 फीसदी की ड्यूटी लगती है। एफटीए के बाद 0 ड्यूटी लागू हो जाएगी, जिससे चीजें सस्ती होंगी और भारतीय सामानों की प्रतिस्पर्धा मजबूत होगी।

स्टार्टअप और महिला उद्यमी-

सीईटीए भारतीय निर्यातकों, एमएसएमई, स्टार्टअप और महिला उद्यमियों के लिए वैश्विक वैल्यू चेन तक पहुंच आसान करेगा। समझौते में मूल नियमों (रूल्स ऑफ़ ओरिजिन) को सरल बनाया गया है। गैर-शुल्क बाधाओं (नॉन-टैरिफ़ मेज़र्स) से जुड़े विवादों के समाधान के लिए मज़बूत व्यवस्था भी की गई है। इससे कारोबार करना आसान होगा और निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। समझौते में वनों पर निर्भर समुदायों की आजीविका, टिकाऊ संसाधन प्रबंधन और पर्यावरणीय सहयोग पर भी जोर दिया गया है।

क्या होगा फायदा-

केंद्र सरकार का अनुमान है कि इस डील से भारत को अगले पांच सालों में सिर्फ सर्विस सेक्टर से हर साल करीब 2.5 अरब डॉलर का एक्सट्रा रेवेन्यू मिलेगा। कुल द्विपक्षीय व्यापार मौजूदा 20 अरब डॉलर से 2030 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

सस्ती हो जाएंगी ड्रीम कारें-

बड़ा फायदा कार का शौक रखने वालों को मिलेगा। ऑटोमोबाइल टैरिफ 100फीसदी से घटाकर सिर्फ 10फीसदी कर दिया जाएगा। टैरिफ में 90फीसदी की कटौती के बाद लैंड रोवर, जुगआर, रोल रॉयसी एस्टन मार्टिन और डिफेंडर जैसी कारों की कीमतें काफी कम हो जाएंगी। इन कारों को खरीदना देश के कई लोगों का सपना है। इसके साथ ही ब्रिटिश ब्यूटी प्रोडक्ट्स पर 22फीसदी टैरिफ कम या खत्म होगा।

ये हो होंगे सस्ते....

00 ब्रिटेन के कॉस्मेटिक्स, मेडिकल उपकरण और एयरोस्पेस पार्ट्स पर कम टैरिफ से ये सामान सस्ते होंगे। टैरिफ 15% से घटकर 3% पर आ जाएगा।

00 ब्रिटेन से आने वाले ब्रांडेड कपड़े, फैशन प्रोडक्ट्स और होमवेयर भी सस्ते होंगे। वहीं फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स भी कम कीमत पर मिलेंगे।

डिजिटल मूल्यांकन से...

के तहत परीक्षाओं के संचालन के लिए उचित नियम और दिशानिर्देश तैयार करें। सीबीएसई की ओएसएम मूल्यांकन प्रणाली एक डिजिटल जांच प्रक्रिया है, जिसमें शिक्षक छात्रों की भौतिक उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन की गई प्रतियों को कंप्यूटर स्क्रीन पर देखकर जांचते हैं, न कि कागज की मूल उत्तर पुस्तिकाओं पर। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, छोटे बच्चों में हताशा का स्तर देखिए। कोर्ट ने इस मामले में सॉलिसिटर जनरल की सहायता लेने की बात कही। इस पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रिया में कुछ व्यवस्थित और धीरे-धीरे बढ़ती समस्याएं दिखाई दे रही हैं। न्यायमूर्ति बागची ने सॉलिसिटर जनरल से कहा, हम आपकी सहायता चाहते हैं, किसी विरोधी पक्ष के रूप में नहीं। कुछ समस्याएं हैं। उन्होंने मामले में स्थिति रिपोर्ट भी मांगी।

कई शिकायतों का समाधान-

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि याचिका में उठाई गई व्यक्तिगत अंकपत्र संबंधी कई शिकायतों का काफी हद तक समाधान किया जा चुका है और सरकार व्यवस्थागत समस्याओं को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने बताया कि मूल्यांकन प्रणाली की समीक्षा करने और आवश्यक सुधारों की सिफारिश देने के लिए एस. राधा चौहान की अध्यक्षता में एक सदस्यीय समिति गठित की गई है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा, हम इसे प्रतिकूल तरीके से नहीं ले रहे हैं। समिति पहले से ही छात्रों की शिकायतों पर विचार कर रही है।

कोर्ट ने मांगी जानकारी-

सुप्रीम कोर्ट ने अब सॉलिसिटर जनरल से सीबीएसई द्वारा उठाए जा रहे कदमों की जानकारी देने को कहा है और मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह तय की है। यह जनहित याचिका राकेश बिंजोला की ओर से अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शुक्ला के माध्यम से दायर की गई है।

राज्यपाल ने उत्कृष्ट...

आधारशिला रखी है ।

छत्तीसगढ़ के सभी 90 विधायक श्रेष्ठ- रमन -

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, छत्तीसगढ़ विधानसभा के सभी 90 विधायक श्रेष्ठ हैं, जो प्रदेश की तीन करोड़ जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, उत्कृष्टता अलंकरण पुरस्कार का मुख्य उद्देश्य संसदीय मूल्यों को अलंकरण और अधिक मजबूती देना है, जिससे कि भविष्य में भी हमारी विधानसभा का संसदीय वातावरण अन्य संसदीय निकायों के लिए एक आदर्श बन सके। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ की षष्ठम विधानसभा ने संसदीय मूल्यों को संरक्षित रखते हुए, अपने कार्यकरण से श्रेष्ठता के उच्च मानकों को स्पर्श किया है। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ की विधान सभा ने अपने गठन के साथ ही नई संसदीय परम्पराओं एवं उच्च मापदण्डों को स्थापित किया है। उन्होंने कहा, पक्ष एवं प्रतिपक्ष के सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर मत वैभिन्य के होते हुये भी सभा में अपने विचारों के माध्यम से शासन को मार्गदर्शन दिया और फलस्वरूप शासन व्यवस्था को न केवल सुदृढ़ किया, अपितु कई सुधारात्मक और जनकल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित करने में भी अपनी भूमिका निभायी।

गर्भवती और स्तनपान...

करना है। राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार पहली बार नियमों में गर्भवती महिला तथा स्तनपान कराने वाली माता की स्पष्ट कानूनी परिभाषा जोड़ी गई है। छह माह तक शिशु को स्तनपान कराने वाली महिला को स्तनपान कराने वाली माता की श्रेणी में रखा गया है।

फैक्ट्री संचालकों की जिम्मेदारी बढ़ी- संशोधित नियमों के बाद अब फैक्ट्री संचालकों की जिम्मेदारी भी बढ़ जाएगी। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि जहां महिलाओं को नियोजित किया जा रहा है, वहां सभी सुरक्षा उपाय प्रभावी रूप से लागू हों। नियमों का पालन नहीं होने पर कारखाना अधिनियम, 1948 के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

देश में ही बनेंगे...

भी मंजूरी दी गई है। सेमीकंडक्टर कार्यक्रम 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' के पहले चरण पर आधारित है। यह छह मुख्य क्षेत्रों चिप डिजाइन, सेमीकंडक्टर उपकरण और सामग्री, फैब्रिकेशन सुविधाएं, अत्याधुनिक पैकेजिंग और परीक्षण, शोध और विकास तथा प्रतिभा विकास पर ध्यान देगा।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस कार्यक्रम के अंत तक हम स्वदेशी चिप के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो जाएंगे। सरकार को उम्मीद है कि नई योजना से लगभग चार लाख करोड़ रुपये का निवेश आएगा और योजना अवधि के दौरान दो लाख करोड़ रुपये मूल्य का सेमीकंडक्टर उत्पादन होगा। वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 62,500 करोड़ रुपए की 'मोबाइल फोन विनिर्माण योजना' को भी मंजूरी दी है। इसके तहत वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक यानी पांच वर्षों के लिए विनिर्माताओं को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) दिए जाएंगे। पात्र मोबाइल फोन की बिक्री पर प्रोत्साहन 2.25 प्रतिशत से पांच प्रतिशत तक होंगे। साथ ही मुख्य कलपुर्जे की घरेलू खरीद और उत्पाद डिजाइन और शोध में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों के लिए अतिरिक्त सहायता भी दी जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि मोबाइल फोन योजना से योजना अवधि के दौरान लगभग 39 लाख करोड़ रुपये का कुल उत्पादन होगा, निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और लगभग 60,000 प्रत्यक्ष नौकरियां सृजित होंगी। भारत मोबाइल फोन विनिर्माण के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। अब देश में उपयोग होने वाले 99.2 प्रतिशत मोबाइल फोन यहीं बनते हैं। 2025 में मोबाइल फोन भारत का सबसे अधिक निर्यात होने वाला उत्पाद बन गया। इसने डीजल और तराशे हुए हीरों जैसे पारंपरिक निर्यात वस्तुओं को पीछे छोड़ दिया।

सेमीकॉन 2.0 का मकसद सेमीकंडक्टर बौद्धिक संपदा, वाणिज्यिक और रणनीतिक चिप डिजाइन और विभिन्न क्षेत्रों में जरूरी महत्वपूर्ण कलपुर्जे बनाने की क्षमता को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम सेमीकंडक्टर मशीनरी, सामग्री, रसायन और गैस बनाने वाली कंपनियों को मदद देगा और साथ ही भारत में और फैब्रिकेशन संयंत्र लाने की कोशिश करेगा। मंत्रिमंडल बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस पहल से आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी और भारत को सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के तौर पर स्थापित करने में मदद मिलेगी। उम्मीद है कि देश की पहली सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन इकाई 2028 में काम करना शुरू कर देगी। इस कार्यक्रम का मकसद असेंबली, परीक्षण, मार्किंग और पैकेजिंग और आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट क्षमताओं को बढ़ाना और साथ ही अत्याधुनिक चिप प्रौद्योगिकी पर शोध को आगे बढ़ाना भी है।

कैबिनेट में...

के दो एलिवेटेड कॉरिडोर बनेंगे, 20 मिनट में घंटेभर का सफर

00 वाराणसी में इंफ्रास्ट्रक्चर और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक और नई परियोजना पर मुहर

00 यूरिया उत्पादन के क्षेत्र में देश को पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'नेशनल इन्वेस्टमेंट पॉलिसी' को मंजूरी

00 देश के रेल नेटवर्क को आधुनिक बनाने और सुविधाओं में सुधार के लिए रेलवे से जुड़ा बड़ा फैसला

00 रेलवे क्षमता विस्तार और यात्री सुविधाओं को उन्नत करने के लिए एक और विशेष रेलवे कार्यक्रम को हरी झंडी

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छु काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-कार चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर, चौकीदार एवं घरेलू सभी काम करने के लिए महिला की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मंगला चौक बिलासपुर 7583808008 **(41436)**

आवश्यकता है-साथमें रहकर घरकार्य, कपड़े प्रेस करने हेतु 18-22वर्ष अशिक्षित 2लड़के की आवश्यकता है रहना खाना फ्री आधारकार्ड सहित सम्पर्क करें- राव लॉन्ड्री, 3/85, चंदन आवास राजकिशोर नगर बिलासपुर 9238286967 **(41427)**

आवश्यकता है-होलसेल कपड़ा दुकान हेतु सेल्समैन एवं दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- हीरा ट्रेडिंग कम्पनी श्रीराम क्लॉथ मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर 9827112950, 83196 17107 **(41430)**

आवश्यकता है-छोटा हाथी चलाने के लिए ड्राइवर/ सप्लायर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- विक्रांत भवन राजीवगांधी चौक जरहाभाठा बिलासपुर 9229132980 **(41428)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 8वीं, 10वीं, 12वीं पास लड़कियों, महिलायों एवं लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- आकांक्षा रियल स्टेट, सामाधान नर्सिंग होम के सामने राजीव गांधी चौक बिलासपुर 89825 55947 **(41418)**

आवश्यकता है-यश सुपर बाजार में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है अनुभवी को वेतन 10000 से प्रारम्भ सम्पर्क करें- रिंग रोड नं.-2 गौरव पथ बिलासपुर 8817702579 **(41419)**

आवश्यकता है-एकाउंटेंट की आवश्यकता है (टैली, एमएस ऑफिस में 1 से 2वर्ष अनुभवी) सैलरी 15000 से 20000, इंटरव्यू हेतु अपने रिज्यूम सहित सम्पर्क करें- डीकेए कंस्ट्रक्शन बिलासपुर रोड, शिवरीनारायण 79998 91270, 7417830012 **(41429)**

आवश्यकता है-कार वॉशिंग गैराज में कार्य करने हेतु हेल्पर चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता। सैलरी अनुभव के अनुसार। सम्पर्क करें- माँ शारदा कार केयर, संजीवनी हॉस्पिटल के पास, स्मार्ट रोड बिलासपुर 79743 32986 **(41406)**

आवश्यकता है-नर्सरी से 12वीं पढ़ाने हेतु टीचर्स एवं साफ सफाई हेतु महिला आया चाहिए। सम्पर्क करें- संस्कार स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास, उसलापुर 7440549466, 9098546135 **(41411)**

आवश्यकता है-उमा सुपर बाजार में कार्य हेतु अनुभवी लड़के की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गणेश स्वीट्स के पहले, बजरंग चौक, राजकिशोर नगर, बिलासपुर 9301517722 **(41425)**

आवश्यकता है-ऑफिस साफ सफाई कार्य हेतु लड़के की आवश्यकता है (उम्र 25वर्ष अधिकतम) सम्पर्क करें- A-214 श्रीनारायण प्लाजा, श्रीकांत वर्मा मार्ग चौक, लिंक रोड, बिलासपुर 9300660864, 91744 08884 **(41435)**

आवश्यकता है-बॉयज हॉस्टल में चौकीदार एवं पुस्तक दुकान में कार्य हेतु युवक चाहिए (ड्राइविंग लाइसेंस हो) वेतन 9000 पता- देवांगन बुक स्टाल E-15 सिटी सेन्टर कॉम्प्लेक्स शिव टॉकीज रोड, बिलासपुर 6262227355 **(41410)**

आवश्यकता है
आया बाई (हॉस्पिटल एवं घरेलु कार्य हेतु)
नर्सिंग स्टॉफ
काउन्टर स्टॉफ
सम्पर्क करें-
सुबह 11 बजे से 01 बजे तक
अग्रवाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल
मगरपारा रोड, बिलासपुर
07752-226296, 402543

आवश्यकता है-Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें-न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 **(41423)**

आवश्यकता है-तत्काल भर्ती सुरक्षागार्ड 25, ड्राइवर 10, फिल्ड ऑफिसर 10 बाइक अनिवार्य, वेतन-11000 से 18000+ रहना फ्री, साईट बिलासपुर, भूपदेवपुर पता- शॉप नं.-210 फर्स्ट फ्लोर बालाजी प्लाजा 8461881110, 9111000881, 88898 23100 **(41295)**

आवश्यकता है-एकाउंटेंट की आवश्यकता है टैली एवं एमएस ऑफिस में काम करने का 5वर्ष का अनुभव होना चाहिए। उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए अपने रिज्यूम के साथ आना आवश्यक है। सैलरी योग्यता अनुसार पता- आरजे बायोएनर्जी प्राइवेट लिमिटेड पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर सम्पर्क करें- 9009658885 **(41413)**

आवश्यकता है-शीघ्र आवश्यकता है जो बाहर रह कर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के आयु 18 से 30वर्ष वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 9630922589, 98930 29618 **(530)**

आवश्यकता है-हायर सेकेंडरी क्लासेस (अंग्रेजी माध्यम) में बायोलॉजी, फिजिक्स,केमिस्ट्री मल्टीपल विषय मैथ्स, कॉमर्स पढ़ाने टीचर्स वेतन 8000 सम्पर्क- पंचवटी केपीएसए स्कूल राजकिशोर नगर, शनि मंदिर के पास बिलासपुर 97525 83075 **(41432)**

आवश्यकता है-चाय पत्ती में पैकिंग कार्य के लिये लेडिस व लोडिंग, अन लोडिंग के लये पुरूष कि आवश्यकता है सम्पर्क करें- ट्रेडर्स नियर SBI ATM आकृति विहार अमलीडीह रायपुर 7469980000, 07714075490 **(883)**

आवश्यकता है- तायलटेक ऑफिस में कार्य हेतु लड़के/ लड़कियां (योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट), सफाई हेतु लड़के/ लड़कियां चाहिए (कार्य समय-8घंटे) पता- तायलटेक, दीनदयाल पार्क के पास, व्यापार विहार बिलासपुर 7987498938, 7697693000 **(41404)**

आवश्यकता है-थोक दवा दुकान में माल निकालने, जमाने, पैकिंग, डिलिवरी हेतू लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क करें-नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 74300 00011 **(41437)**

आवश्यकता है-घरेलू सभी कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता- रामा वर्ल्ड न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर सम्पर्क करें- 9967299365 **(41408)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

आवश्यकता है-आर्य समाज द्वारा संचालित दयानन्द पूर्व माध्यमिक विद्यालय में गणित एवं विज्ञान पढ़ाने हेतु शिक्षिकाओं की। समय सुबह 8 से 11बजे सम्पर्क करें- दयानन्द विद्यालय नदी किनारे गोड़पारा बिलासपुर 8982112133 **(41426)**

आवश्यकता है-बेकरी एवं स्वीट्स दुकान में काउंटर सेल्समैन, स्टोर कीपर, कार ड्राइवर चाहिए। अनुभवी व्यक्ति ही सम्पर्क करें- बेकर्स फार्म, शरण साइकिल के बाजू में, डोमिनोज के सामने, बिलासपुर 78038 8885, 9617611110 **(41396)**

आवश्यकता है-हाउस हेल्प कम कुक (सुबह 8बजे से शाम 7बजे) स्टोर मैनेजर, इलेक्ट्रीशियन, स्वीपर एवं महिला सफाई कर्मचारी की आवश्यकता है। अनुभवी उम्मीदवारों को प्राथमिकता। कार्य स्थल- जरहाभाठा, बिलासपुर सम्पर्क- 62643 15731 **(41399)**

आवश्यकता है-दुकान में काम करने हेतु लड़कों एवं हेल्पर की आवश्यकता है। आधार सहित सम्पर्क करें- श्रीबजाज ट्रेडर्स मंगला चौक के पास CLC प्लाजा के सामने रिंग रोड नं-2 बिलासपुर 7000727385 **(41400)**

आवश्यकता है-मेडिकल सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़कियों (योग्यता 12वीं से ग्रेजुएट) एवं साफ सफाई हेतु लड़कियों की आवश्यकता है (कार्य समय 10घंटे) पता- श्रीविनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 **(41405)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है-कंस्ट्रक्शन साईट हेतु अनुभवी स्टोर मैनेजर, जेसीबी हेतु अनुभवी ड्राइवर एवं ऑफिस वर्क के लिए युवक/ युवती की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीबालाजी कंस्ट्रक्शन्स बिलासपुर 7974086925, 9907925045 **(41403)**

बेचना

बेचना है-रतनपुर रोड में सेन्दरी के पास वृन्दावन ग्रीन सिटी में T&C प्लॉट 30×40 तत्काल बेचना है सम्पर्क करें- 9420591204 **(41433)**

बेचना है-कन्ट्री क्लब, अटल यूनिवर्सिटी के पास कोनी बिलासपुर में 40×100 87×195, 100×130 80×100, 132×184 एवं 21364 वर्गफिट शानदार प्लाट हॉस्टल, कोचिंग, मकान, इन्वेस्टमेंट हेतु उपयुक्त बेचना है। सम्पर्क- 9300878897, 95757 88444 **(41438)**

बेचना है-गीता पैलेस गोकुल धाम रोड अमेरी साईं आनंदम के पीछे 8200 वर्गफुट में बना हुआ प्रॉपर्टी बेचना है प्लॉट साइज 50×60= 3000 वर्गफुट डबल रोड। सम्पर्क करें- 8871100525 **(41421)**

बेचना है-हेमू नगर चन्द्रा चौक बिलासपुर में डबल स्टोरी मकान बेचना है (प्लाट साईज 1550 वर्गफीट बिल्ट अप 3247 वर्गफीट 4हाल, 5बेडरूम, 2किचन, 2पूजा 5लेटबाथ) सम्पर्क करें- 8085955932 **(41397)**

बेचना है-भारत माला प्रोजेक्ट के पास नेशनल हाईवे 130A रोड से लगा 150 का फ्रंट, बाऊंड्री वाल से घिरा लिमतरा, खैरा रोड पर स्थित (एक एकड़ जमीन) शीघ्र बेचना सम्पर्क 83490 54531 **(41420)**

बेचना है-दीनदयाल कॉलोनी मंगला से लगा हुआ 2BHK नवनिर्मित मकान सी.सी. रोड, बिजली, पानी, नाली, सर्व सुविधायुक्त मकान बेचना है सम्पर्क करें- 7879922408, 79745 34322 **(41415)**

बेचना है-कोरबा-ऊरगा मुख्य मार्ग पर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बरबसपुर में एक LIG फ्लैट मध्य तल का बेचना है सम्पर्क करें- 9425283727, 94241 65378 **(41409)**

किराया

किराया-बिलासपुर इमली पारा में दो बेडरूम, एक हॉल, किचन, लेट बाथ सर्वसुविधा युक्त मकान किराए से देना है, शासकीय/ अर्धशासकीय को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9907128298 **(41431)**

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे B.Ed, B.A, B.Com B.Sc,Bca,Mca Bba, Llb, M.A, M.Com M.Sc, Mba, Msw, B.Lib, M.Lib, Dca, Pgdca, Polytechnic, B.tech M.tech अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें-Bharti Education Academy Sec.-6, Bhilai 98261 96515, 9826896515 **(4157)**

फायनेंस

फायनेंस-रोजगार योजना अन्तर्गत पूरे छत्तीसगढ़ में लोन सिर्फ आधार कार्ड पर 50000 से 25लाख तक 1% ब्याज वार्षिक प्रॉपर्टी पर्सनल बिजनेस, दुकानदारी ग्रुप लोन, सिविल खराब लोन पाए, सम्पर्क- करें-88826 27857 **(4402)**

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाउस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

स्पेन ने मौजूदा टूर्नामेंट के 7 मैचों में छठी बार विपक्षी टीम को गोल करने से रोका

16 साल बाद फाइनल में स्पेन एम्बाप्पे की स्टार ब्रिगेड फेल

सेमीफाइनल में स्पेन ने फ्रांस को दी शिकस्त, रविवार को होगा फाइनल

एजेंसी ▶▶| अर्लिंगटन

स्पेन की मजबूत रक्षापंक्ति और आत्मविश्वास से भरे प्रदर्शन के आगे किलियन एम्बाप्पे की अगुआई वाली फ्रांस की स्टार आक्रमण पंक्ति पूरी तरह बेअसर साबित हुई और 2010 की विश्व चैंपियन स्पेन ने एक बार फिर फीफा विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली। स्पेन ने सेमीफाइनल में मिकेल ओयारजाबाल और पेड्रो पोरो के गोल के दम पर फ्रांस को 2-0 से शिकस्त दी।

इसके साथ ही स्पेन ने मौजूदा टूर्नामेंट के 7 मैचों में छठी बार विपक्षी टीम को गोल करने से रोकते हुए अपनी शानदार रक्षात्मक क्षमता का एक और नमूना पेश किया। स्पेन अब रविवार को होने वाले फाइनल में गत चैंपियन अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से भिड़ेगा। फाइनल न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में खेला जाएगा।

फ्रांस को स्पेन से डरना चाहिए : यामाल

मैच से पहले युवा स्टार लामिन यामाल ने कहा था कि फ्रांस को स्पेन से डरना चाहिए और मैदान पर उनका यह दावा सही साबित हुआ। फीफा रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज फ्रांस की अगुवाई विश्व कप के सर्वश्रेष्ठ गोल स्कोररों में शामिल एम्बाप्पे कर रहे थे, जिन्होंने सेमीफाइनल से पहले विश्व कप के 20 मुकाबलों में 20 गोल किए थे। उनके साथ बैलन डी'ओर विजेता उस्मान डेम्बेले और इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक पांच गोल में मदद करने वाले माइकल ओलीसे भी थे, लेकिन यह तिकड़ी स्पेन की रक्षा पंक्ति के आगे प्रभावहीन रही।

ओयारजाबाल ने पेनाल्टी को गोल में बदला

स्पेन को 22वें मिनट में बढ़त मिली, जब यामाल के शानदार मूव पर फ्रांस के डिफेंडर लुकास डिन्ये ने फाउल कर दिया। इस पेनाल्टी को ओयारजाबाल ने गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 58वें मिनट में पोरो ने दानी ओल्मो के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए दूसरा गोल दागकर जीत लगभग सुनिश्चित कर दी। अपने 19वें जन्मदिन के एक दिन बाद खेल रहे यामाल ने बाद में एक गोल भी किया, लेकिन करीबी ऑफसाइड के कारण उसे नकार दिया गया। टीम को हालांकि शुरुआती बढ़त दिलाने में उनकी सूझबूझ भरी खेल शैली निर्णायक साबित हुई।

14 टीमों के साथ नए प्रारुप में खेला जाएगा वनडे विश्व कप

आईसीसी ने बदला वनडे वर्ल्ड कप का फॉर्मेट

- वनडे विश्व कप में सुपर सीरीज और सुपर-7 चरण की एंट्री
- 2027 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होगा टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶| एडिनबर्ग

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 वनडे विश्व कप और 2028 टी20 विश्व कप के प्रारुप में कुछ बदलाव किए हैं, जिनका उद्देश्य दोनों टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा को और अधिक रोमांचक बनाना है। ये फैसले आईसीसी की सालाना बैठक में लिए गए। दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाले 2027 वनडे विश्व कप में पूर्व योजना के अनुसार 14 टीमें ही भाग लेंगी, जो पिछले चरण की 10 टीम से अधिक हैं। हालांकि टूर्नामेंट को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए आईसीसी ने सुपर सीरीज और सुपर-7 चरण को शामिल किया है।

सुपर सीरीज में तीन टीम के बीच होंगे मुकाबले

आईसीसी ने कहा, 'आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में 14 योग्य टीमें भाग लेंगी लेकिन संशोधित प्रारुप के तहत फाइनल तक पहुंचने के लिए तीन चरण की प्रतियोगिता होगी, जिससे टूर्नामेंट के हर मैच का महत्व बढ़ेगा और शुरुआत से लेकर फाइनल तक प्रतिस्पर्धा रोमांचक बनी रहेगी। 'सुपर सीरीज में तीन टीम के बीच मुकाबले होंगे, जिनमें से एक टीम दूसरे दौर में पहुंचेगी, जिसमें छह टीम को दो ग्रुप में बांटा जाएगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष तीन टीम और दोनों समूहों में शेष टीम में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली एक टीम सुपर-7 (पहले प्रस्तावित सुपर-6 के स्थान पर) में पहुंचेगी। सुपर-7 चरण से शीर्ष चार टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

मुकाबले होंगे पहले से ज्यादा रोमांचक

आईसीसी ने कहा, 'इन बदलावों से हर मैच का महत्व बढ़ेगा और मुकाबले पहले से ज्यादा रोमांचक होंगे। इससे प्रशंसकों को बेहतर अनुभव मिलेगा, वहीं नई और उभरती टीम को भी क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता रहेगा।' ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2028 में होने वाले टी20 विश्व कप में ग्रुप चरण के बाद अब सुपर-8 की जगह सुपर-10 चरण होगा।टूर्नामेंट में चार-चार टीम के पांच ग्रुप बनाए जाएंगे। प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीम सुपर-10 में पहुंचेंगी। पिछले चरण में सुपर-8 के प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीम सीधे सेमीफाइनल में पहुंचती थीं।

हर ग्रुप की शीर्ष टीम सीधे पहुंचेगी अंतिम चार में

नए प्रारुप में अब प्रत्येक ग्रुप की केवल शीर्ष टीम ही सीधे अंतिम चार में पहुंचेगी। ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम विपरीत ग्रुप की तीसरे स्थान वाली टीम के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबला खेलेंगी, जिससे प्रतियोगिता में एक नया रोमांच जुड़ जाएगा। आईसीसी ने कहा, 'आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में उभरती हुई टीम के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए दूसरे चरण में भाग लेने वाली टीम की संख्या 8 से बढ़ाकर 10 करने का फैसला किया गया है।'

स्कॉटलैंड को यूरोप क्षेत्रीय फाइनल में प्रवेश दिया जाएगा

आईसीसी ने यह भी बताया कि स्कॉटलैंड को 2026 टी20 विश्व कप में विशेष परिस्थितियों में अंतिम समय पर बांग्लादेश की जगह खेलने के कारण सीधे यूरोप क्षेत्रीय फाइनल में प्रवेश दिया जाएगा। वहीं 2026 टी20 विश्व कप में खेलने वाली लेकिन स्वतः क्वालीफाई नहीं कर पाने वाली बाकी टीम सीधे वैश्विक क्वालीफायर में पहुंचेंगी। वैश्विक क्वालीफायर के अन्य आठ स्थानों के लिए क्षेत्रीय क्वालीफिकेशन होगा। इनमें अफ्रीका, एशिया और यूरोप से दो-दो टीम जबकि अमेरिका और पूर्वी एशिया प्रशांत क्षेत्र से एक-एक टीम क्वालीफाई करेगी। वैश्विक क्वालीफायर में प्रत्येक क्षेत्र की शीर्ष टीम और कुल मिलाकर अगली तीन सर्वश्रेष्ठ टीम 2028 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

खबर संक्षेप

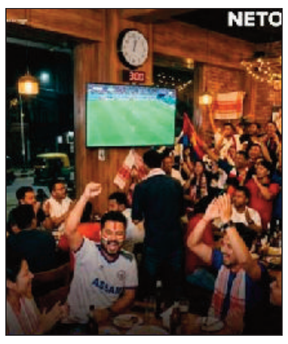

असम में देर रात तक खुले रहेंगे रेस्टोरेंट

गुवाहाटी। असम सरकार ने घोषणा की कि विश्व कप फुटबॉल के मैचों के दिन राज्य की राजधानी में रेस्टोरेंट (रेस्तरां) को सुबह 3 बजकर 30 मिनट तक खुला रखने की अनुमति दी जाएगी। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि फुटबॉल लोगों को जोड़ता है और राज्य सरकार चाहती है कि खेल प्रेमी बिना किसी असुविधा के सेमीफाइनल और फाइनल का आनंद लें। उन्होंने कहा, 'मैंने गुवाहाटी के जिला प्रशासन को 15, 16, 19 और 20 जुलाई को रेस्टोरेंट को सुबह 3 बजकर 30 मिनट तक खुला रखने की अनुमति देने के लिए कहा है ताकि फुटबॉल प्रेमियों को किसी तरह की परेशानी ना हो और वह मैचों का भरपूर आनंद ले सकें।'

जीत की लय बरकरार रखने उतरेगा भारत, इंग्लैंड से दूसरी भिड़ंत आज

बदला दूसरे वनडे का समय, शाम 5.30 बजे होगा शुरू

एजेंसी ▶▶| कार्डिफ

पहले मैच में जीत से उत्साहित भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को होने वाले दूसरा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेलने के लिए उतरेगी तो कप्तान शुभमन गिल की फिटनेस और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की फॉर्म पर सभी का ध्यान केंद्रित रहेगा। गिल ने बर्मिंघम में खेले गए पहले वनडे में भारत की छह विकेट से जीत में 80 रन बनाए थे, लेकिन मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उन्हें 'रिटायर्ड हर्ट' होकर मैदान छोड़ना पड़ा था। भारत उनके जल्द से जल्द फिट होने की उम्मीद कर रहा होगा। पिछले कुछ समय में यह पहला अवसर नहीं है जबकि गिल को फिटनेस संबंधी समस्या के कारण मैदान छोड़ना पड़ा।

रोहित को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

रोहित ने कप्तानी गंवाने के बाद अपने आक्रामक रवैए पर अंकुश लगाया लेकिन उन्हें अभी तक इससे खास फायदा नहीं हुआ है। रोहित ने पिछले साल अक्टूबर से 13 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने एक शतक और चार अर्धशतकों की मदद से 46.91 के औसत से 563 रन बनाए हैं। यह कोई मामूली रिकॉर्ड नहीं है। लेकिन भारतीय ड्रेसिंग रूम के मौजूदा हालात ने रोहित के लिए लगभग हर मैच में अच्छा प्रदर्शन करना अनिवार्य बना दिया है। अभी यह सोचना कल्पना से परे होगा कि रोहित अगले कुछ मैचों में असफल रहने पर 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप की दौड़ से बाहर हो जाएंगे।

पुरानी फॉर्म में वापस लौटे बुमराह

भारत के लिए एक बड़ी सकारात्मक बात यह है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 2023 विश्व कप फाइनल के बाद पहली बार 50 ओवर के प्रारुप में वापसी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। इस साल आईपीएल के दौरान बुमराह को लय हासिल करने और विकेट लेने के लिए संघर्ष करना पड़ा था, लेकिन अब लगता है कि उन्होंने अपनी पुरानी फॉर्म वापस पा ली है। इसी तरह ऑलराउंडर अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर की फॉर्म में वापसी से भी टीम प्रबंधन बेहद खुश होगा।

मैच का समय : शाम 5:30 बजे

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION COMPANY LIMITED
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) (A SUCCESSOR COMPANY OF C.S.E.B.) CIN: U40108CT2003SGC015822
O/o The Superintending Engineer (Circle), Korba ,GST Number of CSPDCL -22AADCC6047K1ZR. Email ID: SEOnM.Korba@cspc.co.in

No.11-03/CW/2026-27/Tr.No.- 108 & 470/1842,1843 Korba Date – 07.07.2026

NOTICE FOR INVITE E-TENDER

Online bids are invited through CSPDCL e-bidding system (SAP SRM) from Eligible Electrical Contractors registered in the O/o EE (PROJECT), CSPDCL, Gudhiyari, Raipur for following works. **Please note that rates quoted shall be exclusive of GST (in both material and service portions) and rates are based on SOR 2025-26.**

Tender No/ Rfx no.	Name of work	Tender amount (in Rs.)	Completion period	Eligible class for bidding	Tender fee including GST @18% (Not refundable)	Time/Due date of submission
Tr.no 470 RFx- No.- 8100052882	P/s to 25 KW DLF Connection of Dr. Vishal upadhaya at village- Batati under Kartala DC of (O&M) Dn. CSPDCL Korba. BP No. 1010313206 estt. B467606126.0001	11,58,587.00	60 Days from date of handing over of site excl. rainy season	Class-III-B and Above	Rs. 2000/-	12.00 noon 28.07.2026
NIT-108 RFx No.- 8100052883	Emergency works -replacement of damaged poles, conductors and cables etc. of 33 KV Network for emergency works and erection of new 33 KV Network for new service connection At EE (O&M) Dn. CSPDCL Katghora	21,00,000.00	EMD 21,000.00	Class-II and Above	Rs. 2000/-	12.00 noon 28.07.2026

Note: -1.Time/Due date of opening- Bids will be opened on the due date of submission at 12.05 pm onward.2.For details visit http://www. cspdcl.co.in ->CSPDCL>O&Mt-> e-bidding portal3.For e-bidding CSPDCL Helpline no. 0771-2576672/ 73 (EITC, CSPDCL)4.ALL ANNEXURES AND NEW ANNEXURE-F MUST BE FILLED PROPERLY AS PER PQR OTHERWISE BIDS MAY BE REJECTED.5.Contractors must attach a list of their pending works.

SUPERINTENDING ENGINEER (CIRCLE)
CSPDCL KORBA

SAVE ELECTRICITY

अलग-अलग चरणों में खेलना रोमांचक : वाशिंगटन

बर्मिंघम। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने कहा कि वह बल्लेबाजी क्रम में किसी भी स्थान पर उतरने के लिए तैयार हैं क्योंकि उन्हें बल्लेबाजी में अलग-अलग भूमिकाएं रोमांचित करती हैं। वाशिंगटन की खेल के विभिन्न प्रारुपों में भूमिकाएं बदलती रहती हैं। वाशिंगटन ने कहा, ' मुझे अलग-अलग भूमिकाएं निभाना रोमांचक लगता है। बहुत कम खिलाड़ियों को अलग-अलग भूमिकाएं निभाने का मौका मिलता है। इससे मुझे अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने का मौका मिलता है।' उन्होंने कहा, 'मैं टीम को जीत दिलाने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करता हूं। खेल की अलग-अलग परिस्थितियों और अलग-अलग चरणों में खेलना रोमांचक होता है।'

बिजली के सामने लगते हैं भिनभिनाने, टूटे पंखों से भर जाती है सड़क!

बारिश होते ही कहां से आ जाते हैं पंख वाले कीड़े

नई दिल्ली। मॉनसून सीजन शुरू होते ही पहली बारिश के बाद शाम ढलते ही एक अनोखा नजारा दिखाई देता है। बिजली के बल्ब, ट्यूबलाइट या स्ट्रीट लाइट के आसपास हजारों पंख वाले कीड़े भिनभिनाते नजर आते हैं। ये कीड़े इतनी तेजी से उड़ते हैं कि कई बार लोग डर भी जाते हैं। कुछ देर बाद उनके पंख टूट जाते हैं और सड़क, छत, बालकनी सब इन टूटे पंखों से भर जाती है। सुबह तक कई पंख गायब हो जाते हैं। ये रहस्यमयी कीड़े असल में उड़ने वाले दीमक होते हैं। ये सामान्य दीमक का ही एक रूप हैं। दीमक कॉलोनी में रहने वाले सामाजिक कीड़े होते हैं। कॉलोनी में राजा, रानी, मजदूर और सैनिक होते हैं। बारिश के मौसम में कॉलोनी नई कॉलोनियां बनाने के लिए पंखदार नर और मादा पैदा करती है। इन्हें स्वान फ्लाइट भी कहते हैं। पहली भारी बारिश मिट्टी को नरम करती है। नमी और तापमान के सही संकेत मिलते ही ये पंख वाले दीमक कॉलोनी से बाहर निकलकर उड़ने लगते हैं। उनका मुख्य मकसद नया जोड़ा बनाना और नई कॉलोनी शुरू करना होता है।

क्यों सड़कें पंखों से भर जाती हैं?

जब ये कीड़े लाइट के पास भिनभिनाते हैं तो पंख टूटने लगते हैं। हवा, बारिश या उनकी खुद की गतिविधि से पंख अलग हो जाते हैं, एक रात में हजारों पंख सड़क पर बिखर जाते हैं। सुबह पक्षी, चींटियां और अन्य जीव इन पंखों और कीड़ों को खा जाते हैं, इसलिए वे गायब हो जाते हैं।

वैज्ञानिक कारण और प्रक्रिया

ट्रिगर: बारिश मिट्टी में नमी लाती है, जो दीमकों के लिए आदर्श है। नमी अंडों के विकास और नए घोंसले बनाने में मदद करती है।

उड़ान: पंखदार दीमक शाम के समय उड़ते हैं क्योंकि उस समय हवा शांत होती है और रोशनी उन्हें आकर्षित करती है

पंख क्यों टूटते हैं?: उड़ान के बाद या जोड़ी बनाने के बाद वे अपने पंख झाड़कर गिरा देते हैं। इसके बाद वे जमीन पर रेंगते हैं। मादा और नर जोड़ी बनाकर नई कॉलोनी शुरू करते हैं।

लाइट आकर्षण: दीमक रोशनी की तरफ खिंचे चले आते हैं। यही वजह है कि बल्ब के आसपास वे सबसे ज्यादा दिखते हैं।

इस चिड़िया को कहते हैं कार की दुश्मन

वेलिंगटन। आज हम आपको एक ऐसे ही पक्षी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे गाड़ियों से नफरत है, वो भी ऐसी-वैसी नफरत नहीं, बल्कि उसकी हालत खराब करने तक की. दरअसल, न्यूजीलैंड की केआ चिड़िया इन्हीं में से एक है। यहां कि ये शरारती चिड़ियाएं पार्किंग में खड़ी कारों को देखते ही उन पर अपनी चोंच से हमला बोल देती हैं। ये सिर्फ चोंच से हमला ही नहीं करती, बल्कि कार पर लगे रबर विंडो सील, वाइपर, एंटीना, हेडलाइट रबर, यहां तक कि टायर को भी खींच-खींचकर बाहर निकाल देती है। यही वजह है कि, लोग इन्हें कारों का बड़ा दुश्मन मानते हैं।

क्यों करती है ऐसा ?

जानकारों के मुताबिक, ये किसी भी नई चीज को खेल-खेल में तोड़कर देखती हैं कि उसके अंदर आखिर है क्या। न्यूजीलैंड के आल्पाइन क्षेत्रों में इनका आना-जाना ज्यादा रहता है। वहां टूरिस्ट ज्यादा आते हैं। ऐसे में जब भी किसी चमचमाती कार पर इस पक्षी की नजर पड़ जाए, तो वह सीधे कारों के पास आकर 'इंस्पेक्शन' करने लगती हैं। माना जाता है कि, यह व्यवहार इसके जीवित रहने का कौशल का हिस्सा भी है। जैसे जंगल में खाने को ढूंढने जैसा।

इस पक्षी को लेकर कानूनी चेतावनी

न्यूजीलैंड सरकार केआ को पूरी तरह संरक्षित मानती हैं, क्योंकि ये एक लुप्तप्राय प्रजाति है। अगर इसे किसी भी तरह से नुकसान पहुंचाया गया तो भारी जुर्माना या कानूनी कार्रवाई हो सकती है। यही वजह है कि, पर्यटकों को सलाह दी जाती है कि गाड़ियों को सुरक्षित जगह पर पार्क करें और जितना हो सके केआ से दूरी बनाएं, उन्हें दूर से ही देखें।

रूममेट की बक-बक से पक गए महिला के कान, सुई-धागे से कर दी मुंह की सिलाई

टोक्यो। जापान, जहां अनुशासन और शांति की मिसाल दी जाती है, वहां एक ऐसा शॉकिंग मामला सामने आया है, जिसने सबको हैरान कर दिया है। कोगा शहर में 49 वर्षीय महिला मसाए सकुराई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि उसने अपनी रूममेट का मुंह सुई-धागे से सिल दिया था। जानकारी के मुताबिक़, दोनों महिलाएं अप्रैल 2025 से एक साथ रह रही थीं। इस साल 29 जून को दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। 49 वर्षीय महिला अपनी 42 वर्षीय रूममेट की ज्यादा बात करने से परेशान थी। गुस्से में आकर उसने कथित तौर पर सुई और धागे से रूममेट के होंठ सिल दिए। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी महिला घर में मनोवैज्ञानिक दबाव बनाए रखती थी। वह डर के कारण पहले घर छोड़ नहीं पाई। घटना के अगले दिन पीड़िता किसी तरह भागकर पास की दुकान पहुंची। वह बोल नहीं पा रही थी, इसलिए उसने एक कागज पर लिखा 'प्लीज हेल्प मी' और दुकानदारों को दिखाया, जिसके बाद दुकानदारों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com